हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 13 जुलाई, 2025

11 एक पेड़ मां के नाम अभियान चला किया पौधरोपण...

12 रसात से बिजली लाइन में आया फाल्ट आठ घंटे ...

MK HOSPITAL
BHIWANI • SHHEF VENTURE
ClearMedi Healthcare

भिवानी में एकमात्र मैमोग्राफी
(ALLENGERS VENUS DRV + मॉडल)

महिलाओं के स्वास्थ के लिए MK हॉस्पिटल ने बढ़ाया एक और कदम

भिवानी में पहली बार मैमोग्राफी की सुविधा
अब MK हॉस्पिटल में उपलब्ध

फ्री ब्रेस्ट स्क्रीनिंग कैम्प

40 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाओं के लिए मैमोग्राफी कैंप डॉक्टर की सलाह पर मैमोग्राम नि:शुल्क

दिनांक 19/07/2025 | दिन - शनिवार
समय - सुबह 9 बजे से 12 बजे तक
पता - MK हॉस्पिटल भिवानी

इस कैंप में महिला एवं पुरुष नि:शुल्क कैंसर का परामर्श प्राप्त कर सकते है।

कैंप में उपस्थित डॉक्टर जिनसे आप परामर्श प्राप्त कर सकते है

डॉ. रितु शर्मा (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ)
डॉ. नितिन रेडिएशन ऑन्कोलॉजी (कैंसर रोग विशेषज्ञ)
डॉ. पीयूष रेडिएशन ऑन्कोलॉजी (कैंसर रोग विशेषज्ञ)
डॉ. राहुल (कैंसर सर्जरी विशेषज्ञ)
डॉ. नानकी रेडिएशन ऑन्कोलॉजी (कैंसर रोग विशेषज्ञ)
डॉ. मानस रंजन (जनरल, लेप्रोस्कोपिक एवं गेस्ट्रो सर्जरी विशेषज्ञ)

स्तन कैंसर की जांच कब करवानी चाहिए।
• स्तन (ब्रेस्ट) में किसी प्रकार की गांठ • ब्रेस्ट या निप्पल में दर्द • निप्पल्स का अंदर की ओर धंसना • निप्पल्स से डिस्चार्ज (ब्रेस्ट मिल्क नहीं) • ब्रेस्ट की स्किन या निप्पल्स में रेडनेस • ब्रेस्ट में निप्पल्स के पास या कहीं भी लंप होना • आर्मपिट (बगल) में लंप होना • ब्रेस्ट के साइज में बदलाव • निप्पल्स की थिकनेस में बदलाव • निप्पल्स से खून आना

अभी अपॉइंटमेंट बुक करें 70 09 09 09 24
www.mkhospitals.in

स्मार्ट और पूर्णतया डिजिटल मशीन
Digital Mammography

महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह होगा ऐतिहासिक

लोक निर्माण मंत्री ने लिया तैयारियों का जायजा

- महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार नहीं होगी दिक्कत: गंगवा
- जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने पंडाल, मुख्य मंच के अलावा वीआईपी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति को लेकर मंच के बारे में जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज भिवानी

प्रदेश के लोक निर्माण तथा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी।

जयंती समारोह में पहुंचने वाले लोगों के बैठने व पेयजल आदि की पूरी व्यवस्था की गई है। महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में प्रदेशभर से भारी संख्या में लोग शामिल होंगे और यह समारोह ऐतिहासिक होगा। कैबिनेट मंत्री गंगवा शनिवार को डीसी साहिल गुप्ता, एसपी मनबीर सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक के साथ जयंती समारोह के आयोजन स्थल भीम स्टेडियम में तैयारियों का जायजा ले रहे थे। इस दौरान उन्होंने समारोह स्थल पर सुरक्षा के साथ-साथ सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने पंडाल, मुख्य मंच के अलावा वीआईपी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति को लेकर मंच के बारे में जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिए।

तैयारियों का जायजा लेने के दौरान मंत्री ने कहा कि श्री दक्ष प्रजापति जयंती समारोह को लेकर लोगों में भारी उत्साह बना हुआ है। प्रदेशभर से भारी संख्या में लोग जयंती समारोह में शामिल होकर महाराजा श्री दक्ष प्रजापति को नमन करेंगे। उन्होंने कहा कि लोग उत्साह और उमंग से ढोल और गाजे-बाजे के साथ जयंती समारोह में शामिल होंगे। लोग जयंती में पहुंचने की पहले से ही तैयारी करने में जुटे है।

जयंती समारोह इतिहास में जोड़ेगा नया अध्याय: मामन

नगर परिषद वाइस चेयरमैन मामनचंद ने महाराजा दक्ष प्रजापति जंयती समारोह में भीड़ पहुंचकर इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा। चूंकि लोगों में उक्त जयंती के प्रति जबरदस्त उत्साह है। शहर के ही नहीं आसपास गांवों के लोग भी उक्त कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उत्साहित है। वे अपने स्तर पर ही कार्यक्रम में पहुंचने की तैयारी में है। दूसरी तरफ उपायुक्त गुप्ता ने मंत्री को बताया कि बाहर से आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

पार्किंग स्थल निर्धारित किए : वाहनों के लिए पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। यातायात पुलिस को भी इसके लिए आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं। सड़कों पर यातायात पुलिस गश्त करती रहेगी।

ये रहे मौजूद

इस दौरान एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल, सीइओ जिला परिषद अजय चोपड़ा, एसडीएम महेश कुमार, एसडीएम लोहारू मनोज दलाल, एसडीएम सिवानी विजया मलिक, एसडीएम तोशाम अशवीर नैन, नगर परिषद वाइस चेयरमैन मामनचंद, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, नंदराम धानिया आदि मौजूद रहे।

लोक अदालत में आपसी सहमति से मामलों का हुआ निपटारा

चरखीदादरी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को दादरी न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया। लोक अदालत में आम नागरिकों द्वारा आपसी सुलह और समझौते के आधार पर स्वयं व अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से मामलों का निपटारा किया। लोक अदालत में जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेश कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी निधि सोलंकी, न्यायिक दंडाधिकारी मयंक गुप्ता तथा न्यायिक दंडाधिकारी लक्ष्य गर्ग ने मामलों की सुनवाई की। अदालत में वाहन दुर्घटना अधिनियम, बैंक लोन, मोटर व्हीकल एक्सीडेंट, एनडीपीएस एक्ट, फौजदारी, दीवानी, चेक बाउंस आदि मामलों की सुनवाई हुई।

महाराजा गुरु दक्ष प्रजापति जयंती समारोह

दिनांक : 13 जुलाई 2025, रविवार
समय : सुबह 9 बजे

समारोह स्थल :
भीम स्टेडियम भिवानी

महंत नारायण नाथ जी
डेरा दादा गुरू शंकर नाथ जी, भिवानी

अध्यक्षता :
श्री रणबीर सिंह गंगवा
कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार

मुख्य अतिथि :
श्री नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा सरकार

निवेदक : प्रजापति मामनचन्द
पूर्व चेयरमैन, नगर परिषद्, भिवानी, मो. 9053444444

धर्मबीर प्रधान
श्री दक्ष प्रजापति महासभा

महाबीर मोखरा
समाज सेवक

प्रजापति रमेश टाक
सह-संस्थापक, BPHO

सतीश सरोहा
महासचिव, प्रजापति सभा कुम्हार धर्मशाला
सह-संस्थापक, BPHO

सतपाल ठेकेदार
समाज सेवक

ओमकरण प्रजापति
राष्ट्रीय सचिव, BPHO

बृजेश जावला
कनिष्ठ अभियंता

सतीश प्रजापति
प्रजापति & कम्पनी, रोहतक

शौकीन वर्मा एडवोकेट
राष्ट्रीय अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ, BPHO

रामेश्वर प्रजापति
प्रदेश महामंत्री, OBC मोर्चा

श्याम सुन्दर कारगवाल
प्रदेश उपाध्यक्ष, OBC मोर्चा

डॉ. रमेश बेरीवाल
नई दिल्ली

पालेराम धनखड़
वरिष्ठ उपाध्यक्ष, BPHO

किरोडीमल तंवर
KMT Enterprises

धर्मेन्द्र जावला
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, BPHO

सोनू प्रधान
सांवरिया Enterprises

संजय चौहान
लीला कृषि यंत्र

अर्जुन प्रजापति
जिलाध्यक्ष, BPHO भिवानी

जयपाल ठेकेदार
समाज सेवक

मनोज ठेकेदार
समाज सेवक

प्रवीण वर्मा
Woxy Academy

कमल मास्टर
हेडमास्टर

श्याम सुन्दर ठेकेदार
कैरु

इक्विटी फंड्स ने एसआईपी पर 27% तो लंपसम पर 23% दिया सालाना रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों की हो गई बढ़िया कमाई, लगातार बढ़ रहे निवेशक, लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर निवेश करेंगे तो हो जाएंगे मालामाल

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए पैसे लगाने की बात कही जाती है। आंकड़े भी यही बताते हैं कि इक्विटी फंड्स में 10 साल के लिए निवेश करने पर पॉजिटिव रिटर्न की पूरी संभावना रहती है, जबकि निगेटिव रिटर्न की आशंका ना के बराबर रह जाती है। यहां हम कुछ ऐसे इक्विटी फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 10 साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रिटर्न दिए हैं। इन इक्विटी फंड्स ने न सिर्फ लंपसम इनवेस्टमेंट पर सालाना 19 से 23 फीसदी तक फायदा कराया है, बल्कि एसआईपी करने वालों को भी 22 से 27 फीसदी तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। हमने यहां सिर्फ उन्हीं फंड्स को लिया है, जिनकी वैल्यू रिसर्च की रेटिंग 4 या 5 स्टार है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले इक्विटी फंड

यहां हम जिन इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, उनमें एसआईपी पर सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम में अगर किसी ने 10 साल पहले हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू की होगी, तो उनके 12 लाख के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू 49 लाख रुपये तक पहुंच गई होगी। इन सभी फंड्स ने एसआईपी और लंपसम दोनों में अच्छा-खासा मुनाफा दिया है। वह भी अच्छी रेटिंग के साथ।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 22.76%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,77,138 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.02%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 44,53,987 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64%

2. क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 21.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,09,694 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.59%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 41,25,214 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.51%

3. क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 20.83%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,63,497 रुपये
- SIP पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.83%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 49,08,676 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.66%

4. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.67%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,02,320 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.24%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,48,537 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%

5. कोटक मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.45%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,91,346 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.92%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,71,502 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.38%

6. एडलवाइज मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,90,999 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.47%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,98,172 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.39%

7. एचडीएफसी मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.03%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,70,794 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.09%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,07,119 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.75%

क्या बता रहे हैं आंकड़े

10 साल में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाले इन इक्विटी फंड्स में 4 मिडकैप फंड, 2 स्मॉल कैप फंड और एक ईएलएसएस फंड है। इन सभी के रिटर्न के आंकड़ों से एक बात तो साफ है कि अगर निवेशक सही स्कीम में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें तो काफी अच्छा मुनाफा ले सकते हैं। फिर चाहे वो लंपसम इनवेस्टमेंट हो या मंथली एसआईपी के जरिये किया गया निवेश। हालांकि म्यूचुअल फंड में पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबी अवधि के लिए किया गया रेगुलर इनवेस्टमेंट आमतौर पर फायदेमंद साबित होता है, लेकिन स्टॉक्स में एक्सपोजर की वजह से इन सभी इक्विटी फंड्स को बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग मिली हुई है। लिहाजा निवेश के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले अपने रिस्क प्रोफाइल यानी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

जितनी लंबी नौकरी, उतनी ही ज्यादा मिलेगी ग्रैच्युटी

समझदारी
बिजनेस डेस्क

- एक कंपनी में लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक काम करने पर मिलती है ग्रैच्युटी
- यह लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया है

अगर आप एक ही कंपनी में लंबे समय तक काम करते हैं, तो रिटायरमेंट या नौकरी छोड़ने पर कंपनी की ओर से ग्रेच्युटी के रुप में एक खास तोहफा मिलता है। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होती है, जो आपकी मेहनत का इनाम है, लेकिन लोग अक्सर इसको लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि ग्रेच्युटी रकम कब मिलती है, कितनी मिलती है और कैसे मिलती है? अगर आपकी सैलरी अंतिम सैलरी 25,000, 30,000 या 40,000 रुपये है और आपने एक ही कंपनी में 15 साल तक काम किया है, तो आपको रिवार्ड के रूप में कितनी गेच्युटी मिलेगी? यहां दिए गए कैलकुलेशन से समझिए।

ग्रेच्युटी क्या होती है?

ग्रेच्युटी वो रकम है जो कंपनी आपको तब देती है जब आपने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक वहां काम किया हो। ये लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया गया है।

किन हालातों में मिलती है ग्रेच्युटी

- रिटायरमेंट पर
- नौकरी छोड़ने पर (5 साल की सेवा के बाद)
- अस्थायी या स्थायी अपंगता पर
- कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में (नॉमिनी को)

ग्रेच्युटी के लिए कौन है एलिजिबल?

- अगर आपने एक ही कंपनी में लगातार 5 साल काम किया है तो आप इसके हकदार हैं। मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में 5 साल पूरे ना होने पर भी ग्रेच्युटी दी जाती है।

ग्रेच्युटी कैलकुलेशन के लिए क्या है फॉर्मूला

- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- अंतिम सैलरी = बेसिक सैलरी + डीए (महंगाई भत्ता)

कैसे होती है ग्रेच्युटी कैलकुलेशन?

- ग्रेच्युटी की राशि निम्नलिखित सूत्र से गणना की जाती
- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- यहां, अंतिम वेतन में मूल वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) शामिल होते हैं।
- उदाहरण के लिए अगर आपका अंतिम सैलरी 25,000 रुपये है और आपने 15 साल नौकरी की है, तो

ग्रेच्युटी मिलेगी

- ग्रेच्युटी = (15 × 25,000 × 15)/26 = 2,16,346 रुपये यानी लगभग 2.16 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 15)/26 = 2,59,615 रुपये यानी लगभग 5.60 लाख
- अगर अंतिम सैलरी 40,000 है, तो ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 15)/26 = 3,46,153 रुपये यानी लगभग 3.46 लाख

गणना में अधूरे साल का क्या होता है?

ग्रैच्युटी वो रकम है जो कंपनी अपने कर्मचारी को तब देती है जब उसने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक उसी कंपनी में काम किया हो। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होता है. खास बात ये है कि अगर आपने किसी साल 6 महीने या उससे ज्यादा काम किया है, तो उसे पूरा साल माना जाता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि ग्रेच्युटी की गणना करते समय अगर किसी कर्मचारी ने किसी साल में 6 महीने या उससे अधिक अतिरिक्त सेवा की है, तो उस अधूरे वर्ष को भी पूरा साल माना जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपने 8 साल और 8 महीने काम किया है, तो ग्रेच्युटी कैलकुलेशन में आपकी सेवा अवधि 8 नहीं बल्कि 9 साल मानी जाएगी. यह नियम पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू होता है, और इसके लिए (15 × अंतिम सैलरी × कुल सर्विस ईयर)/26 का फॉर्मूला इस्तेमाल किया जाता है।

- (15 × 25,000 × 9)/26 = 1,29,807 रुपये यानी लगभग 1.30 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 9)/26 = करीब 1,55,769 रुपये
- और अगर अंतिम सैलरी 40,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 9)/26 = 2,07,692 रुपये के आसपास मिलेगी

क्या कंपनी ग्रेच्युटी देने से मना कर सकती है?

यदि कंपनी 'पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972' के अंतर्गत आती है, तो वह कानूनी रूप से ग्रेच्युटी देने से मना नहीं कर सकती। हालांकि, यदि कर्मचारी को अनुशासनहीनता या नैतिक अपराध के कारण बर्खास्त किया गया है, तो कंपनी ग्रेच्युटी देने से इनकार कर सकती है, जितनी लंबी नौकरी और जितना अधिक वेतन, उतनी ज्यादा ग्रेच्युटी। यह आपकी सेवा का सम्मान है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

(नोट: यह जानकारी सामान्य गणनाओं पर आधारित है। सटीक रकम जानने के लिए किसी वित्तीय सलाहकार से संपर्क करें या कंपनी के एचआर विभाग से जानकारी प्राप्त करें।)

पांच साल में 25 से 33% सालाना रिटर्न इन फ्लेक्सी कैप फंड्स ने दिखाया दम

- फ्लेक्सी कैप फंड इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी
- हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते

विश्लेषण
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों में इक्विटी फ्लेक्सी कैप फंड कैटेगरी को लेकर अट्रैक्शन लगातार बढ़ रहा है। एम्फी द्वारा जारी किया गया जून 2025 का डाटा देखें तो फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने और इस कैटेगरी में 5,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह मई 2025 में 3,841 करोड़ रुपये की तुलना में 49% की बढ़त है। इस कैटेगरी में शामिल फंड भी सुपर परफॉर्म कर रहे हैं। 5 साल के दौरान 14 फ्लेक्सीकैप फंड का रिटर्न 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रहा। वहीं, कम से कम 45 फंड ने 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया। इससे निवेशकों के मन में इन फंडों के प्रति आकर्षण अब लगातार बढ़ता जा रहा है। निवेशक अच्छा पैसा कूट रहे हैं।

फ्लेक्सीकैप फंड में क्यों बढ़ा अट्रैक्शन

फ्लेक्सीकैप फंड कैटेगरी की बात करें तो यह इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी मानी जाती है। ये फंड हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते हैं। वहीं इनमें यह सुविधा भी होती है कि बाजार के माहौल के हिसाब से एक तरह के मार्केट कैप से दूसरे मार्केट कैप में निवेश शिफ्ट कर सकें, जिससे बाजार में उतार चढ़ाव का इन पर कम असर होता है। सेबी के नियमों के अनुसार, इन फंड्स को कम से कम 65% पैसा इक्विटी में लगाना जरूरी होता है, लेकिन कई बार यह 90% से ज्यादा भी होता है।

5 वर्ष : 14 फंड ने दिया 25% रिटर्न

- क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड : 32.81%
- आईसीआईसीआई प्रू रिटायरमेंट प्योर इक्विटी फंड : 30.85%
- एचडीएफसी फोकस्ड फंड : 30.11%
- एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड : 29.95%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 29.54%
- एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स इक्विटी फंड : 27.89%
- आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड : 27.38%
- जेएम फ्लेक्सीकैप फंड : 27.24%

- फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 26.73%
- एडलवाइज फ्लेक्सीकैप फंड : 25.78
- पराग पारिख फ्लेक्सीकैप फंड : 25.72%
- फ्रैंकलिन इंडिया फोकस्ड इक्विटी फंड : 25.20%
- निप्पोन इंडिया फोकस्ड फंड : 25%
- 360 वन फोकस्ड फंड : 24.52%

ऐसा रहा रिटर्न

5 साल के दौरान इस कैटेगरी की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 25 से 33 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है. वैल्यू रिसर्च ने फ्लेक्सी कैप और फोकस्ड फंड को एक ही कैटेगरी में शामिल किया है। असल में दोनों की निवेश करने की स्ट्रैटेजी एक जैसी होती है. अंतर बस इतना है कि फोकस्ड फंड्स अधिकतम 30 स्टॉक्स में ही निवेश कर सकते हैं, जबकि फ्लेक्सी कैप फंड्स में ऐसी कोई लिमिट नहीं होती है।

कम से कम 3 गुना किया पैसा

5 साल में अगर कोई फंड 25 फीसदी सीएजीआर ग्रोथ दिखा रहा है, तो इसका मतलब है कि 5 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न 300 फीसदी हुआ। यानी आपका 1 लाख रुपये 5 साल में 3 लाख रुपये हो गया। इसका मतलब है कि फ्लेक्सीकैप फंड की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 5 साल में कम से कम निवेशकों का पैसा 3 गुना बढ़ाया। 30 से 33 फीसदी रिटर्न वाली स्कीम में 3.5 से 4 गुना पैसा बढ़ गया।

45 फंड का रिटर्न 20% से ज्यादा रिटर्न

बीते 5 साल में 14 फंड ने 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया तो कम से कम 45 फंड ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न मिला. यानी 20 से 25 फीसदी के बीच रिटर्न देने वारली स्कीम की संख्या 31 है। इसी से निवेशक अंदाजा लगा सकते हैं कि ये फंड किस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं। 5 साल में क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड 32.81% एनुअलाइज्ड रिटर्न के साथ टॉप पर है। एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड, बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड, आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड, जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड भी टॉपर्स में शामिल हैं।

क्या है फ्लेक्सीकैप फंड

फ्लेक्सीकैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जैसे कि लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप। इसका उद्देश्य विभिन्न बाजार स्थितियों में लचीलापन प्रदान करना और पोर्टफोलियो को विविध बनाना है।

फ्लेक्सीकैप की विशेषताएं

- लचीलापनः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे फंड मैनेजर को बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलती है।
- विविधीकरणः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न सेक्टर्स और मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है।
- सक्रिय प्रबंधनः फ्लेक्सीकैप फंड का प्रबंधन सक्रिय रूप से किया जाता है, जिससे फंड मैनेजर बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय ले सकते हैं।

काम की बात कोई भी कर्ज लेने से पहले ब्याज दर, शुल्क, शर्तें और इससे जुड़ी शर्तों का पता करें, ताकि बाद में आपको कोई नुकसान नहीं उठाना पड़े

पेमेंट एप से पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। ये ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है

पेमेंट ऐप से ले रहे हैं लोन, तो जान लें इसके फायदे-नुकसान पर्सनल लोन लेना आसान है, अपनी जानकारी जरूर जुटाएं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

डिजिटल पेमेंट के इस दौर में गूगल पे जैसे ऐप्स ने न केवल पैसे भेजने और बिल भरने का तरीका आसान किया है, बल्कि अब ये पर्सनल लोन जैसी दूसरी सेवाएं भी दे रहे हैं। गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना कई लोगों के लिए सुविधाजनक विकल्प बन रहा है, लेकिन इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। इसके अलावा, कुछ छिपी हुई लागत भी हो सकती हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। यहां हम गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेने के अलग-अलग पहलुओं को आसान भाषा में समझने की कोशिश करेंगे, ताकि सही समय पर जरूरत के हिसाब से सही फैसला लिया जा सकें।

लोन लेने की प्रक्रिया और सुविधा गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। यह ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है, जैसे कि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और अन्य एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां)।

यह करना होगा यूजर को

यूजर को गूगल पे ऐप पर लोन सेक्शन में जाकर अपनी जरूरत के हिसाब से लोन राशि और अवधि चुननी होती है। आमतौर पर, लोन की मंजूरी कुछ ही मिनटों में मिल जाती है, बशर्ते आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा हो और डॉक्यूमेंट्स पूरे हों। अभी गूगल पे 10,000 रुपये से लेकर 8 लाख रुपये तक के पर्सनल लोन ऑफर करता है, जिसकी ब्याज दरें 10.99% से शुरू होकर 36% तक जा सकती हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल है, यानी आपको बैंक की शाखा में जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही, लोन की राशि सीधे आपके बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाती है, जो इसे तेज और सुविधाजनक बनाता है।

गूगल पे से लोन के नुकसान व जोखिम

हालांकि गूगल पे के जरिए लोन लेना आसान है, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। सबसे बड़ा जोखिम है ऊंची ब्याज दरें। न्यूज़ वेबसाइट मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई एनबीएफसी जो गूगल पे के साथ साझेदारी करते हैं, वे अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज वसूलते हैं, खासकर अगर आपका क्रेडिट स्कोर कम है। इसके अलावा, लोन की अवधि छोटी होने पर मासिक किस्त (ईएमआई) ज्यादा हो सकती है, जो आपके मासिक बजट पर दबाव डाल सकती है।

गूगल पे एक प्लेफार्म

एक और बात ध्यान देने वाली है कि गूगल पे खुद लोन नहीं देता, बल्कि वह एक प्लेटफॉर्म है जो आपको लेंडर्स से जोड़ता है। इसलिए, लोन के नियम और शर्तें उस वित्तीय संस्थान पर निर्भर करती हैं, जिसके साथ आप लोन ले रहे हैं। अगर आप नियम और शर्तें ठीक से नहीं पढ़ते, तो बाद में परेशानी हो सकती है।

छिपी हुई लागत और सावधानियां

गूगल पे के जरिए लोन लेते समय कुछ छिपी लागतें भी हो सकती हैं, जिन्हें अक्सर लोग अनदेखा कर देते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई लोन ऑफर में प्रोसेसिंग फीस, समय से पहले भुगतान का शुल्क (प्री-पेमेंट चार्ज), और देर से भुगतान की पेनल्टी शामिल हो सकती है।

क्या है गूगल पे

गूगल पे एक डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो गूगल द्वारा विकसित किया गया है। यह उपयोगकर्ताओं को अपने मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

पेमेंट एप की विशेषताएं

- डिजिटल पेमेंट : गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- मोबाइल पेमेंट : गूगल पे मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- कॉन्टैक्टलेस पेमेंट : गूगल पे कॉन्टैक्टलेस पेमेंट की अनुमति देता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने मोबाइल डिवाइस को पेमेंट टर्मिनल के पास रखकर पेमेंट कर सकते हैं।
- सुरक्षा : गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं, जैसे कि टोकनाइजेशन और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।

पेमेंट एप के लाभ

- सुविधाः गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की सुविधा प्रदान करता है।
- सुरक्षाः गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।
- गतिः गूगल पे पेमेंट प्रक्रिया को तेज और आसान बनाता है।
- व्यापक स्वीकृतिः गूगल पे को कई ऑनलाइन और ऑफलाइन मर्चेंट्स द्वारा स्वीकार किया जाता है।
- गूगल पे एक सुविधाजनक और सुरक्षित डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

खबर संक्षेप

कृषि उपकरण चोरी मामले में दो दबोचे

चरखी दादरी। पुलिस ने बौन्दकलां निवासी किसान के खेत में बने कमरे से कृषि उपकरण चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता योगेश ने बताया कि बौन्दकलां निवासी अनिल ने कृषि उपकरण चोरी होने की शिकायत दर्ज करवाई थी। पुलिस ने अनिल की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति पर मामला दर्ज किया था। बीती देर शाम हेड कांस्टेबल मनीष ने चोरी दो आरोपियों को काबू कर लिया। आरोपियों की पहचान बौद कलां निवासी पवन, बौद खुर्द निवासी संजय के रूप में हुई। आरोपियों चोरी का सामान और प्रयोग की गई गाड़ी को बरामद किया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ कर कोर्ट में पेश किया, जहां न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

बाबा छोटूनाथ मंदिर में भंडारे का आयोजन

बवानीखेड़ा। गांव जाटू लोहारी में शनिवार को बाबा छोटूनाथ मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में दूर दराज से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और मन्नतें मांगी। वहीं वरिष्ठ समाजसेवी, रक्षक फाउंडेशन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, इंडियन वेटरन ऑर्गेनाइजेशन की जिला अध्यक्ष निर्मला परमार रेवाड़ी खेड़ा ने अपने गांव जाटू लोहारी पहुंचकर मत्था टेका और मन्नतें मांगी। उन्होंने बताया कि गांव जाटू लोहारी में हर वर्ष गांव की सुख शांति के लिए वरिष्ठ समाजसेवी, बाबा छोटूनाथ का भक्त मुरारी गांव के सहयोग और आशिर्वाद से विशाल भंडारे का आयोजन करते हैं। जिसमें देश विदेशों से भी बाबा छोटूनाथ के दर्शन करने और मन्नतें मांगने के लिए आते हैं।

पीड़ित भुगतान की मांग को लेकर सौंपेंगे ज्ञापन

भिवानी। चीट फंड कंपनियों के पीड़ित निवेशकों का भुगतान करवाने की मांग को लेकर ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार (तपजप) के बैनर तले पीड़ित निवेशक रविवार को भिवानी दौरे के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ज्ञापन सौपेंगे। तपजप के प्रदेश अध्यक्ष रामजस ने बताया कि विभिन्न चीट फंड कंपनियों के पीड़ित निवेशकों के भुगतान के लिए प्रत्येक जिलास्तर पर बड्स एक्ट-2019 के देश भर में कार्यालय खोले गए थे। इन कार्यालयों में निवेश संबंधी दस्तावेज जमा करवाने के 180 दिनों में दो से तीन गुणा तक भुगतान का प्रावधान किया गया था। बड्स एक्ट-2019 कार्यालय खुलने के करीबन 16 माह से अधिक समय बीतने के बावजूद आज तक पीड़ित निवेशकों की जमापूंजी नहीं मिली।

एक पेड़ मां के नाम अभियान चला किया पौधरोपण, पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

काकड़ोली सरदारा स्थित शास्त्री वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में बच्चों ने पौधे लगाए, देखभाल की जिम्मेदारी ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाकर पौधरोपण करते शिक्षक।

पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक उतरदायित्व की भावना को जागृत करने के लिए मेरा युवा भारत के तत्वावधान में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत गांव काकड़ोली सरदारा के शास्त्री वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में पौधरोपण किया।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर हम सबको आगे आना चाहिए और पौधों की समय समय पर देखभाल भी करनी चाहिए, ये बात मेरा युवा भारत वालंटियर प्रवीण गोलागढ़ ने कही। उन्होंने प्रकृति को हरा-भरा बनाने को लेकर पर्यावरण प्रेमियों के साथ मिलकर पौधरोपण किया व पर्यावरण बचाओं का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमें खुशी के हर मौके पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पौधे लगाकर हम न केवल अपने आसपास हरियाली लाते है बल्कि पर्यावरण को भी स्वच्छ और स्वस्थ बनाते है। पौधरोपण वायु प्रदूषण को कम करने, जलवायु परिवर्तन को रोकने और प्राकृतिक आपदाओं से बचने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि पौधरोपण एक सामूहिक जिम्मेदारी है, हम सबको मिलकर अधिक से अधिक पौधें लगाने चाहिए और पर्यावरण को बचाने में योगदान करना चाहिए।

ये रहे मौजूदः इस अवसर पर प्राचार्य विकेश कुमार, अनीता, रेनू, दीपिका, पूनम व राजेन्द्र आदि मौजूद रहे।

देश में प्रकृति एवं संस्कृति दोनों की सुरक्षा जरूरी : भारद्वाज

भिवानी। पर्यावरण संरक्षण और भारतीय संस्कृति व प्रकृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति द्वारा 'हर घर हरियाली थीम 2025' और 'एक बेटी एक पेड़ मिशन' अभियान के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों और विद्यार्थियों को वन महोत्सव के प्रति जागरूक किया और 'एक पेड़ मां के नाम' संदेश के तहत पौधरोपण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद विजेंद्र यादव ने की। राष्ट्रपति अवार्डी अशोक कुमार भारद्वाज और शिक्षाविद विजेंद्र यादव ने बताया कि उनकी संस्थाएं वर्षा ऋतु के दौरान विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक कर वन महोत्सव के प्रति संवेदनशील बना रही हैं। उन्होंने कहा कि 'हर घर हरियाली', एक पेड़ मां के नाम' एक बेटी एक पेड़', और 'वन महोत्सव' जैसे अभियानों का उद्देश्य अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण को संतुलित बनाना है। भारद्वाज ने कहा कि बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण वातावरण दिन-ब-दिन अस्वस्थ होता जा रहा है, जिससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है, ऐसे में पौधरोपण ही एकमात्र ऐसा उपाय है, जो प्रकृति को सहेज सकता है। अभियान को मजबूती देने के लिए जिला प्रशासन और वन विभाग के सहयोग से जिलेभर में पौधा वितरण एवं रोपण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि अभियान जन-जन तक पहुंचे और पर्यावरण संरक्षण में हर नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित हो। बच्चों के जन्मदिन पर घर के आंगन में पौधरोपण किया जा रहा है। इस अवसर पर समाजसेवी अंजु शर्मा, समी यादव, सरला अग्रवाल, दयानंद, उर्मिला सैनी, अमित कुमार, सुमित मलिक, सुभाष यादव, शकुन्तला वर्मा, ऊषा, उमा, अनीता सैनी, सुनैना देवी आदि उपस्थित रहे।

बकाया मुआवजे के लिए सड़कों पर उतरेंगे किसान संगठन 16 और 17 को करेंगे किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

कस्बे के किसान भवन में अखिल भारतीय किसान सभा व भारतीय किसान यूनियन टिकैत की संयुक्त रूप से बैठक संपन्न हुई जिसमें प्रदेश सरकार की किसान विरोधी नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किया गया तथा16 व 17 जुलाई को लोहारु व बाढड़ा में रोष प्रदर्शन किया गया। किसान संगठनों की बैठक की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष हरपाल भांडवा व किसान सभा दादरी के जिला प्रधान रणधीर कुंगड़ ने संयुक्त रूप से की।

- किसान संगठनों की बैठक की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष हरपाल भांडवा व किसान सभा दादरी के जिला प्रधान रणधीर कुंगड़ ने संयुक्त रूप से की।

बैठक को संबोधित करते हुए कामरेड ओमप्रकाश भिवानी व अध्यक्ष हरपाल भांडवा ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार किसानों व कृषि हितों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। भिवानी महेंद्रगढ लोकसभा क्षेत्र में सत्तासीन सरकार के दो सांसद, कैबिनेट मंत्री व दर्जनभर विधायक है लेकिन उसके बावजूद यहां के किसानों को बीमा कंपनियां सरेआम लूट रही हैं। भाजपा सरकार के तीसरे चरण में सबसे अधिक किसानों पर अत्याचार हुआ है। खरीफ फसल में बीमा कंपनी ने दादरी के किसानों का 150 करोड़ रुपये तथा भिवानी के किसानों का 280 करोड़ रुपये का बीमा धोखाबाजी की गई है। बैठक में किसान सभा भिवानी के जिलाध्यक्ष रामफल देशवाल, उपप्रधान कामरेड ओम प्रकाश, मास्टर रघुवीर काकड़ोली, सह सचिव बलबीर ठाकन, नरेंद्र झिंजर, ओम प्रकाश उमरवास, रामअवतार लाड, कलम सिंह हाड़ौती, कमल सिंह हड़ौदी, रामपाल धारणी, सतबीर बाढड़ा, राजकुमार घिकाड़ा, ओम नंबरदार चरखी, सीटू नेता सुमेर धारणी, ब्रह्मपाल बाढड़ा, ऋषिराम भाण्डवा, कर्ण सिंह उमरवास, राधेश्याम शर्मा उमरवास शामिल थे।

मुंढाल खुर्द से आरोपी को अवैध हथियार के साथ किया गिरफ्तार

भिवानी। प्रवर पुलिस अधीक्षक भिवानी मनबीर सिंह द्वारा जिला पुलिस को जिले में बिना लाइसेंस के अवैध हथियार रखने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर ऐसे आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्यवाही अमल में लाए जाने के निर्देश दिए हुए हैं जो इन्हीं निर्देशों के तहत कार्यवाही करते हुए सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने गांव मुंढाल खुर्द से एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के मुख्य सिपाही सुनील कुमार अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी तालू जताई बस अड्डा पर मौजूद थे जो पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुए के गांव मुंढाल खुर्द में रेलवे पुल के पास एक व्यक्ति खड़ा है जिसके पास बिना लाइसेंस के अवैध हथियार है पुलिस टीम के द्वारा सूचना के महत्वता को देखते हुए बताए गए स्थान पर रेड करके एक व्यक्ति को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान शिवा पुत्र शमशेर निवासी मुंढाल खुर्द जिला भिवानी के रूप में हुई है।

- पुलिस ने आरोपी से एक देसी पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस किए बरामद

युवाशक्ति ने स्वच्छता अभियान चला की जोहड़ व सार्वजनिक स्थानों की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

स्वच्छता युवाओं को अपना कर्तव्य समझना चाहिए, यह न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए बल्कि पूरे समाज और देश के लिए भी महत्वपूर्ण है। युवाओं को स्वच्छता के महत्व को समझना चाहिए और इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। स्वच्छता में आमजन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, ये आह्वान गांव बादल में युवाओं ने ग्रामीणों से किया। गौरतबल है कि बादल में युवा शक्ति द्वारा पिछले दो रोज से साफ सफाई अभियान का संचालन गांव के विभिन्न हिस्सों में किया जा रहा है। इसके तहत युवाओं की यह टीम अभी तक गांव में समस्त श्रद्धालुओं के श्रद्धा केंद्र शिव मंदिर सहित सार्वजनिक जोहड़ व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सफाई अभियान संचालित कर चुकी है। इसके तहत गांव में कचरे को एकत्रित किया है, उसे कूड़ेदान के हवाले किया गया।

युवाओं ने जोहड़ से गंदगी को साफ करने का काम किया है। ये सार्वजनिक जोहड़ समस्त ग्रामीणों द्वारा उपयोग किया जाता है। सफाई अभियान में राहुल सांगवान बादल, रविन्द्र, सुभम, अमन, राजकुमार, रिंकू, राहुल भांजा, विकी बादल, हरीश लालू, साहिल सटार, अंकित बादल, सुमित बादल आदि ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वो केवल अपने घरों या दुकानों की साफ सफाई को ही अपना कर्तव्य न समझें, बल्कि अपने आसपास मोहल्ले व गांव को ही स्वच्छ करने के लिए योगदान दें।

युवाओं ने कहा कि गंदगी के कारण अनेक प्रकार की बीमारियां फैलती हैं, हम सबको स्वस्थ रहने के लिए सफाई का बहुत महत्व है।

भिवानी। शनिवार गांव बादल में सफाई अभियान चलाते युवा। फोटो : हरिभूमि

पंचायत प्रतिनिधिं सीएम रैली के लिए घर-घर निमंत्रण दें: उमेद पातुवास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

विधायक उमेद पातुवास ने बाढड़ा में पंच सरपंचों व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों की बैठकों को संबोधित कर 24 जुलाई को झोझूकलां में सीएम सैनी के आगमन पर होने वाली रैली के प्रचार अभियान की जिम्मेदारी सौंपी।

इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने घर घर जाकर न्यौता देने का फैसला लिया। बाढड़ा के बीडीपीओ कार्यालय में सरपंच एसोसिएशन अध्यक्ष शमशेर पंचगावां की अध्यक्षता में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए विधायक उमेद पातुवास ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी का विधानसभा क्षेत्र में आगमन हमारे लिए सौभाग्य की बात है और यह इस क्षेत्र के विकास का द्वार खोलने का काम करेगा। प्रदेश सरकार छतीस बिरादरी के कल्याण में जुटी है तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सीएम के दौरे से बड़ी सौगात मिलेगी। क्षेत्र की जनता ने जिस उत्साह के साथ विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान किया है उसका ऋण ब्याज सहित उतारने का काम करेंगे। बैठक में प्रत्येक गांव के सरपंचों ने प्रत्येक गांव से सौ से 150 ग्रामीणों को रैली में ले जाने की जिम्मेदारी सौंपी तथा चार सौ वाहनों की ड्यूटी लगाई। बैठक में उनके अलावा जिला परिषद चेयरमैन मंदीप डालावास, भाजपा जिलाध्यक्ष इंजीनियर सुनील हड़ौदी, दी केनद्रिय सहकारी बैंक चेयरमैन सुधीर चांदवास, भाजपा मंडल अध्यक्ष शमशेर पंचगावां, पूर्व चेयरमैन संदीप बाढड़ा, राजेंद्र शर्मा कारी, रामनिवास पिचौपा आदि मौजूद रहे।

हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

- सरकार के खिलाफ गरजे कर्मचारी
- करुक्षेत्र के ताऊ देवीलाल पार्क से मुख्यमंत्री आवास का करेंगे घेराव

हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की लोहारू ब्रांच के कर्मचारियों की आवश्यक बैठक लोहारू में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के स्टेट महासचिव एवं प्रधान दलबीर सिंह श्योराण ने की। यूनियन के खंड सचिव आजाद सिंह मलोदिया, कोषाध्यक्ष उपेंद्र, सतवीर फौजी, सतवीर सोरान, रामविलास, लीलाराम व बलवान सोहांसरा आदि की मौजूदगी में बैठक में कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर सरकार पर जमकर गरजे।

कर्मचारी नेताओं ने प्रदेश सरकार से कर्मचारियों की लंबित मांगों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि कर्मचारी मांगों को लागू करवाने के लिए 15 को करुक्षेत्र के ताऊ देवीलाल पार्क से मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे, जिसमें प्रदेशभर से भारी संख्या में कर्मचारी हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि कर्मचारी हरियाणा रोजगार निगम/ 24000/ जेई/टीए/ वीटी/ मैकेनिक के अधीन व अन्य सभी कर्मचारियों को 2023 पॉलिसी के तहत लेकर सबको पक्का कर्मचारियों के बराबर वेतन दिया जाए।

गाय के गोबर, मूत्र एवं दूध से शरीर को मिलते अनेक लाभः श्रीमहंत डॉ. अशोक

- गाय के गोबर व मूत्र से बने लेप से व्यक्ति के शरीर की बढ़ती सुंदरता एवं इम्युनिटी पावर : श्रीमहंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गोमाता राष्ट्र माता घोषित हो, इस उद्देश्य को लेकर गोमूत्र और गोबर से 108 गोशाला में स्नानकर जन जन से अपील कर रहे बहादुरगढ़ से गोरक्षक महेश कुमार, जिन्होंने हलवास गेट स्थित बाबा जहरगिरी आश्रम की गोशाला में श्रीमहंत डॉक्टर अशोक गिरी महाराज के नेतृत्व में 94वां स्नान किया है। यहीं नहीं श्रीमहंत डॉक्टर अशोकगिरि महाराज व प्रचारक महेश कुमार ने बाबा जहरगिरी आश्रम की गोमाता के गोबर और मूत्र से स्नान किया है।

श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी ने कहा कि गौ माता के गोबर और मूत्र से स्नान करने से हमारे शरीर में अनेक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होते हैं और शरीर पर नकारात्मक तत्व पनपते हैं, उनका नाश होता हैं। वहीं शरीर की सुंदरता और इम्यूनिटी पावर में बढ़ती हैं। उन्होंने कहा कि शरीर पर फोड़े फुंसी होती है तो उन सभी फंगस को गाय के गोबर व मूत्र से बने लेप से दूर कर रखते हैं। उन्होंने कहा कि गोमूत्र व गाय के गोबर पर विश्लेषण किया है, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आयुर्वेदिक या आध्यात्मिक धार्मिक ग्रंथों की बात की जाए तो गाय के गोबर, मूत्र व दूध से शरीर को अनेक प्रकार का लाभ मिलता है और शरीर अनेक प्रकार की बीमारियों से दूर रहता है। गाय के गोबर व मूत्र से बने लेप से शरीर पर किसी प्रकार का नकारात्मक प्रभाव नहीं होता, बल्कि इस लेप से व्यक्ति के शरीर की सुंदरता एवं इम्युनिटी पावर बढ़ती है।

भिवानी। बाबा जहरगिरी आश्रम के श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी को गोमूत्र व गोबर से स्नान करवाते सन्याशी व सेवक।

ये रहे मौजूद

इस अवसर गोरक्षक संजय परमार, महेश कुमार, कुकी परमार, दीपक भारद्वाज, रविंदर, गोलू कुमार, चंपानी, हिमांसु, मोहन राजपूत, कृष्णनंदन, पालू, अमित, गोलू जाट, कुलदीप पंडित, बसंत शर्मा शास्त्री, मोहनदत्त शर्मा, समाजसेवी अशोक भारद्वाज, लेहसु सैन आदि उपस्थित रहे।

एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने गांव मुंढाल खुर्द से एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के मुख्य सिपाही सुनील कुमार अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी तालू जताई बस अड्डा पर मौजूद थे जो पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुए के गांव मुंढाल खुर्द में रेलवे पुल के पास एक व्यक्ति खड़ा है जिसके पास बिना लाइसेंस के अवैध हथियार है पुलिस टीम के द्वारा सूचना के महत्वता को देखते हुए बताए गए स्थान पर रेड करके एक व्यक्ति को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

- आरोपी से एक देसी पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस किए बरामद

आरोपी की पहचान शिवा पुत्र शमशेर निवासी मुंढाल खुर्द जिला भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी से एक देशी पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

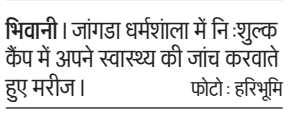

भिवानी। जांगडा धर्मशाला में नि:शुल्क कैंप में अपने स्वास्थ्य की जांच करवाते हुए मरीज। फोटो : हरिभूमि

शिविर में 100 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

भिवानी। राष्ट्रीय कामगार संघ के जिला अध्यक्ष मनीराम सोहासड़ा ने बाढ़ड़ा में लोहारू रोड स्थित जांगड़ा धर्मशाला में निः शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। कैंप में गुरुग्राम से डॉ. अनूप कुमार तथा गुरुग्राम से डॉ. भंडारी मानेसर ने मरीजों की ब्लड प्रेशर, पत्थरी, मसल दर्द, लीवर प्रॉब्लम, गैस अल्सर, खांसी, सुजन, नस ब्लॉकेज, शुगर, कैंसर, आवाज में प्रॉब्लम, लकवा, बवासीर, हार्ट की प्रॉब्लम, गांठ की प्रॉब्लम सहित अनेक बीमारियों की जांच की। कैंप में लगभग 100 मरीजों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। सोहासड़ा ने कहा कि शिविर उन लोगों के लिए जरूरी है जो आर्थिक मजबूत नहीं हैं।

प्रभु पसंद भवन राजयोग केंद्र का किया भूमि पूजन एवं शिलान्यास

मनुष्य में संस्कारों का होना जरूरी : रमेश दीदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मनुष्य में मनुष्यपन के संस्कारों का अंकुरण हो, मानवीय भावनाओं का निर्माण किया जाए, ईश्वर प्रदत शाश्वत गुण शांति, सुख, दया,करुणा, आनंद व खुशहाली जैसे ईश्वरीय गुणों को एक मानव से दूसरे मानव में प्रसारित होने के लिए भवन का भूमि पूजन है, उक्त विचार प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की हिसार सर्कल संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी रमेश दीदी ने व्यक्त किए। झोझूकलां में प्रभु पसंद भवन राजयोग मेडिटेशन केंद्र की आधारशिला रखी गई।

इस दौरान ब्रह्माकुमारी रमेश दीदी व अनीता दीदी के मार्गदर्शन एवं कादमा-झोझूकलां ब्रह्माकुमारीज राजयोग केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी वसुधा व ज्योति बहन के नेतृत्व में प्रभु पसंद भवन राजयोग केंद्र का भूमि पूजन एवं शिलान्यास हुआ। सर्वप्रथम श्रीसनातन परंपरा के अनुसार भूमि पूजन बहन वसुधा व बहन ज्योति ने किया। आचार्य चांदसिंह ने ईश्वर उपासना के साथ कार्यक्रम में अपना सहयोग दिया। इस मौके पर प्रमुख रूप से सांगवान खाप 13 के प्रधान सूरजभान सांगवान, अतिरिक्त ग्रामीण विकास मंडल निहालगढ़ के अध्यक्ष से राजेंद्र यादव, जिला पार्षद प्रतिनिधि सुरेंद्र कुमार, पंचायत समिति सदस्य गजेंद्र नंबरदार, कविता देवी बीडीसी, पूर्व सरपंच दलबीर गांधी, महिला महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष एडवोकेट सोम सांगवान, नरेश ठेकेदार, बिशनसिंह आर्य, मास्टर संजू, मांगेराम शीशवाला, सूबेदार गदरसिंह, कादमा गौशाला के प्रधान सतवीर शर्मा, जिला पार्षद अशोक थालौर, पतंजलि समिति के जिला प्रभारी विकास राणा, डीएसएम स्कूल के निदेशक अरुण सांगवान, डॉ. विनय सांगवान उपस्थित रहे। नारियल फोड़ कर शिलान्यास का कार्य संपन्न हुआ।

भिवानी। प्रभु पसंद भवन राजयोग केंद्र का भूमि पूजन एवं शिलान्यास करती ब्रह्माकुमारी रमेश दीदी, बीके वसुधा, बीके ज्योति व अन्य।

राजयोगिनी रमेश दीदी ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज शिक्षा और खेल के क्षेत्र में हमने बड़ी उन्नति की है, हम सबका ध्यान इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक व बड़े-बड़े अधिकारी बनने में है और होना भी चाहिए, देश की प्रगति में ये आवश्यक है, लेकिन सामाजिक परिवेश को देखते हुए मानवीय संस्कारों का होना जरूरी है। मनुष्य में संस्कारों का होना जरूरी है, उसके अंदर करुणा, दया, ममता व सहयोग की भावना का होना जरूरी है। इन्हीं मानवीय गुणों के विकास के लिए प्रभु पसंद नामक राजयोग केंद्र की स्थापना की जा रही है।

प्रदेश में अफसरशाही हावी, खामियाजा भुगत रही जनता, सरकार हर मोर्चे पर विफलः दिग्विजय

बहल। जजपा के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश में अफसरशाही हावी है, जिसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। सरकार की नीतियों से किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी सहित समाज का हर वर्ग हताश एवं परेशान है। सरकार की विफलता का इससे बड़ा सबूत क्या होगा कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक को अपने काम करवाने के लिए खुद धरने पर बैठना पड़ रहा है। वे जजपा के युवा जोड़ो अभियान के तहत बहल कस्बे के विभिन्न गांवों को दौरा करने के बाद जजपा नेता राजेश गरवां के प्रतिष्ठान पर लोगों के बीच बोल रहे थे। चौटाला ने कहा कि प्रदेश की जनता ने भाजपा को तीसरी बाद सत्तासीन सौंपकर बड़ी उम्मीदें रखी थी, लेकिन सरकार की नीतियों से समाज के हर वर्ग को निराशा हाथ लगी है। प्रदेश में अपराध चरम पर है, जिससे आम आदमी दहशत में है। आए दिन हो रही अपराधिक घटनाओं के कारण पुलिस, प्रशासन विफल साबित हुआ है, जबकि सरकार के नुमांइदों को समारोह और जनसभाओं का आयोजन कर अपनी वाहवाही करवाने से ही फुर्सत नहीं है। किसान को न खाद मिल रही, न यूरिया। किसान को लाइनों में लगवाकर दो दो बैग दिए जा रहे हैं, जिससे किसान और खेती दोनों संकट में है। इस अवसर पर राजेश गरवां, जिलाध्यक्ष जितेन्द्र भारद्वाज, सुरेन्द्र किलका, राजेश आर्य, देवेन्द्र नकीपुर, अज्जू घणघस, सेठी धनाना, हिम्मत जावला, राजकुमार ओबरा, दिनेश सुरपुरा, मा. राजेश सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

अस्पताल ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर आज

भिवानी। रक्तदान महादान है, रक्त की उपयोगिता वहीं जानता है जिसका कोई अपना रक्त की कमी से जूझा हो। अनेक सामाजिक संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता है जो स्वयं भी रक्तदान कर रहे है साथ मे लोगों को जागरूक करके रक्तदान शिविर आयोजित करवा रहे है, ताकि रक्त की कमी न रहे। 13 जुलाई रविवार को चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल के रक्तकोष में रक्तदान शिविर का आयोजन जेपीएस इंडिया ग्रुप के द्वारा किया जाएगा।

कल लोहारू हलके में सांसद धर्मबीर सिंह

लोहारू। भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह 14 जुलाई को लोहारू हलके के गांवों का दौरा करेंगे और जनता से रूबरू होंगे। यह जानकारी देते हुए राजेश चैहड़िया व महिपाल सिंह ने बताया कि सांसद धर्मबीर सिंह 14 जुलाई को गांव ओबरा, सलेमपुर, बिधनोई, बैराण, बड़दु मुगल, अमीरवास, ढाणी लक्ष्मण, गिगनाऊ, गोठड़ा, कुशलपुरा, झांझड़ा बास, झांझड़ा श्योराण, दमकोरा व ढ़ाणा जोगी आदि गांवों का दौरा करेंगे।

नपा की भूमि पर अवैध कब्जा, प्रशासन सख्त

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा नपा की भूमि पर आए दिन कब्जे होते हुए दिखाई देते हैं और नपा द्वारा उसे गिराया जाता है तो चंद घंटों या दिनों बाद फिर से निर्माण हो जाता है ये सब देखने को आम मिलता है। अतिक्रमण कर उस पर निर्माण करना, सरकारी जमीन की खरीद फरोख्त करना, सीमांकन बदलना अवैध और दंडनीय एवं कानूनी अपराध है। इसी को लेकर नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह से सख्त हो गया। नपा सचिव संदीप गर्ग द्वारा उच्चाधिकारियों को सूचित करें।

सचिन ने पास की नवोदय की प्रवेश परीक्षा

भिवानी। विकास स्कूल राजगढ़ की दसवीं क्लास के छात्र सचिन यादव सुपुत्र महेंद्र गांव राजगढ़ ने नवोदय की 11वीं कक्षा में प्रवेश के लिए परीक्षा में सफलता हासिल की। सचिन ने मार्च 2025 बोर्ड परीक्षा में 85.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की थी। सचिन यादव के पिता ने स्कूल पहुंचकर स्टाफ व प्राचार्य का आभार जताया। उन्होंने स्कूल के सभी शिक्षकों को मिठाई खिलाकर का मुंह मीठा कराया।

गोवंश के साथ मनाई शादी की 50वीं सालगिरह

भिवानी। श्रीगोशाला ट्रस्ट के प्रधान मोहनलाल बुवानीवाला ने शनिवार को दाम्पत्य जीवन शादी की 50वीं सालगिरह पर गोवंश के साथ खुशियां साझा की। इस मौके पर योगगुरु स्वामी रामदेव महाराज के शिष्य स्वामी वैदिक देव आचार्य के सान्निध्य में कार्यक्रम का आयोजन किया। गौशाला ट्रस्ट में गौ पूजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य लोगों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने शिरकत की।

ग्रुप-सी की वेटिंग व ग्रुप डी के चयनित सौंपेंग ज्ञापन

भिवानी। हरियाणा में ग्रुप-सी के पदों की वेटिंग लिस्ट जारी करने और अगस्त व अक्टूबर 2024 में जारी की गई ग्रुप डी की लिस्ट में चयनित (ईएसपी) स्पोर्ट्स कैटेगरी के उम्मीदवारों की ज्वाइनिंग की मांग को लेकर अभ्यर्थी रविवार को पूर्व चेयरमैन मामनचंद के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलेंगे और उन्हें अपना मांगपत्र सौंपेंगे। इससे पहले अभ्यर्थी हुडा पार्क के पास सुबह नौ बजे एकत्रित होंगे।

देर रात चलाया अभियान 5 वाहनों के काटे चालान

लोहारू। बीती रात पुलिस ने लोहारू के मुख्य चौक चौराहों पर नाके लगाकर वाहनों की जांच की। पुलिस ने यातायात नियमों को ताक पर रखने वाले पांच वाहनों के चालान काटे और कई वाहन चालकों को नसीहत देकर छोड़ा। पुलिस ने वाहनों के सीसों पर काली फिल्म लगाने व वाहनों पर नंबर प्लेट पर श्लोगन लिखने वालों के खिलाफ कार्रवाई की।

जिले में बरसात बनी आफत, कहीं भरा पानी, कहीं बिजली- पानी सप्लाई ठप

बरसात से बिजली लाइन में आया फाल्ट आठ घंटे शहर में बत्ती गुल, काम बाधित

शनिवार सुबह बरसात शुरू होते ही फाल्ट, दिनभर ढूढंते रहे कर्मी, गर्मी से परेशान रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

बारिश के पानी में डूबा पिलर बॉक्स।

गांव कूंगड़ की गलियों में जमा बारिश का पानी का दृश्य।

बवानीखेड़ा के अस्पताल के पीछे बने तालाब में जमा पानी

पिछले दो दिनों से हो रही बरसात बिजली निगम कर्मचारियों के लिए आफत बनी हुई तथा बिजली निगम के कर्मचारी पूरे दिनभर शहर में बिजली लाइनों के फॉल्ट ढूंढते नजर आए। अंत में करीब आठ घंटे बाद शहर की बिजली आपूर्ति सुचारू हो पाई, तब जाकर बिजली निगम कर्मचारियों और शहर के लोगों को राहत मिली।

बता दें कि दो दिनों से हो रही बरसात के कारण शहर की बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमराई हुई है। एक ओर सरकार आए प्रदेश में 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा करती है। लेकिन लोहारू शहर में हलकी सी बरसात ही सरकार के दावों की पोल खोल देती है। बरसात शुरू होते ही शहर में बिजली आपूर्ति ठप्प हो जाती है।

हालांकि इस समस्या से निजात के लिए शहर में बिजली निगम द्वारा कथित रूप से आइसोलेटेड तार भी बिछाए गए लेकिन हलकी बरसात शुरू होते ही इन तारों में भी फाल्ट हो जाता है। शुक्रवार को सुबह करीब सात बजे बरसात शुरू होने के साथ ही शहर की बत्ती गुल हो गई थी। इसके बार बिजली निगम कर्मचारियों की टीम ने शहर में जगह जगह करीब आधा दर्जन से अधिक फॉल्ट दुरुस्त किए तब जाकर सांय करीब चार बजे शहर की बिजली आपूर्ति सुचारू हो पाई। सात नंबर चुंगी के पास जमा बरसाती पानी के कारण बिजली खंभों पर पिलर बॉक्स में लगे बिजली के मीटर तक पानी में डूब गए।

बिजली निगम कर्मचारियों ने उन मीटरों की बिजली सप्लाई बंद की तथा जल्दी ही उन मीटरों को ऊंचा करने लगाने की बात कही है। करीब आठ घंटों तक बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण लोगों के इनवर्टर बैटरी तक जवाब दे गए है तथा बिजली आधारित कामकाज भी ठप्प रहा। शहर के लोगों ने बिजली निगम और सरकार से शहर के बिजली आपूर्ति व्यवस्था को दुरूस्त किए जाने की मांग की है।

अस्पताल के पीछे बना तालाब, 10 फीट पानी

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के नागरिक अस्पताल के पीछे मजार के पास पानी का तालाब बना हुआ है हालांकि पहले ये ढलान वाला एरिया था, लेकिन मुसलाधार बारिश के कारण इसमें पानी जमा हो गया। जिससे यहां तालाब बन गया। जमा पानी की जल्द निकासी नहीं हो पाई तो अनहोनी हो सकती है। कस्बावासी हनुमान पारासर, टोनी, रिंकू, नरेन्द्र कुमार, मोनू, रमेश कुमार आदि ने बताया कि यदि गलती से बच्चा या मंदबुद्धि अचानक परिजनों का झांसा देते हुए इस तरफ चला आए तो बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं रात्री के समय कुछ दिखाई न देने पर मरीज व उनके परिजनों के साथ भी बड़ी घटना घटित हो सकती है। प्रशासन को इस और ध्यान देना चाहिए लेकिन प्रशासन ने इसकी कोई सुध नहीं ली। लोगों ने विभाग से इस पानी की निकासी का आह्वान किया। वहीं शहरवासियों ने बताया कि नागरिक अस्पताल की रिहायशी बस्ती के साथ लगती दीवार काफी समय से टूटी हुई है और विभाग ने इसके निर्माण करने की जहमत तक नहीं उठाई जिसके कारण लोगों का यहां से आना जाना लगा रहता है जिससे अस्पताल में भी चोरी होने का भय बना हुआ है। लोगों ने विभाग से इसके निर्माण करवाने का भी आह्वान किया। दूसरी तरफ इस बारे में एसएमओ ज्योति कपूर ने बताया कि इसके बारे में विभाग को पत्र लिखा गया है आदेश प्राप्त आते ही उनकी पालना की जाएगी।

- बोले हो सकता है बड़ा हादसा, जल्द समाधान करें प्रशासन।

गांव कुंगड़ की गलियों व घरों तक पहुंचा बरसाती पानी

बवानीखेड़ा। निर्मल कुंगड़ गाव से जहां मुख्य गली जलमग्न बनी हुई है और प्रशासनिक मांग के बावजूद भी इसकी कोई सुध नही ली जा रही है। जिससे ग्रामीणों में रोष बना हुआ है उन्हें विषैले जीव- जंतुओं का भी घरों में आवागमन व गन्दगी पनपने और बीमारियों का खतरा बना हुआ है। मानसूनी बारिस के शुरुआती दिनों में बने अत्यधिक जलभराव से मकानों तक पानी पहुच जलभराव बना हुआ है। शनिवार को ग्रामीणों इकट्ठा होकर इसके स्थाई समाधान की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया की मानसूनी बारिस से गांव कुंगड़ में करीब दो सप्ताह से भारी जलभराव बना हुआ। जिसे लेकर अधिकारियों को शिकायत कर चुके हैं, परंतु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे परेशानी हो रही हैं। जलभराव होने से आधा दर्जन मकानों में नुकसान सहित एक उनका पशुबाडा भी ध्वस्त हुआ है। गांव के सरपंच भी कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। ग्रामीणों ने समस्या का जल्द स्थाई समाधान करने की मांग की।

ग्रामीण शीला ने बताया कि दो सप्ताह से गली बरसाती पानी भरा हुआ है। पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं होने से जउनके दैनिक कार्य और आवागमन बाधित हो गया है। अनाज भीग गया है तथा गंदगी भी फैलने लगी है। उनका घरों से बाहर निकलना दूभर बना हुआ है। कई बार शिकायत समाधान की मांग कर चुके है परंतु उनकी कहि कोई सुनवाई नही है। अभी तक आश्वासनों के सिवाय कुछ नहीं मिला है। उनकी मांग है कि प्रसासन जल्द इसका समाधान करे। शीलादेवी, राजबाला, ज्योति ,नरेन्द्र , सुमन, अंजू, बिजेन्दर, रमेश आदि ने मानसून बरसात के शुरुआती दिनों में गांव में हाल बया कर रही तस्वीरों से आगामी बारिस जलभराव का सन्देह लगाया जा सकता है यदि समय रहते जलनिकासी बन्दोबस्त को सुचारू नही किया गया तो मकान तालाब भी बन सकते है। प्रसासन ग्रामीण जलभराव समस्या का जल्द ही समाधान करे ताकि कहि किसी प्रकार का कोई जलभराव न बन सके।

- सरपंच खामोश प्रशासन भी नहीं कर रहा कोई सुनवाई।

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा नगर पालिका कार्यालय में नपा चेयरमैन सुंदर अत्री एवं 16 पार्षदों एवं 2 मनोनीत पार्षदों में तमाम 18 पार्षदों द्वारा बैठक में विधायक कपूर वाल्मीकि को ज्ञापन सौंपते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

चेयरमैन व पार्षद भी खफा विधायक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

- सीवरेज व पानी सहित कस्बे की समस्याओं के समाधान की मांग।
- विधायक ने प्राथमिकता के आधार पर दिया समाधान का आश्वान

बवानी खेड़ा नगर पालिका कार्यालय में नपा चेयरमैन सुंदर अत्री एवं 16 पार्षदों एवं 2 मनोनीत पार्षदों में तमाम 18 पार्षदों की बैठक हुई। विधायक कपूर वाल्मीकि व जनस्वास्थ्य विभाग के जेई सचिन को भी आमंत्रित किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य शहर में रोजाना आ रही सीवरेज की लीकेज व पीने के पानी के स्थान पर गंदे पानी की सप्लाई, गंदे पानी की निकासी में अवरूद्धता सहित शहर के विकास कार्यों को लेकर था। पार्षदों ने एक-एक कर अपना पक्ष रखते हुए बताया कि शहर की हर एक गली में सीवरेज का बुरा हाल है। अस्पताल से लेकर शहीद गुलाब सिंह पार्क, पटवारखाना, हांसी चुंगी सहित अनेक स्थानों पर सीवरेज के ढ़क्कन क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और उनमें से गंदा पानी निकलता है जिससे वहां से गुजरना दुभर हो गया है। जगह जगह गंदे पानी के तालाब बने हुए है। वहीं पीने के पानी की सप्लाई में सीवरेज का पानी मिलकर आ रहा है समाचार पत्र भी प्रकाशित कर-करके थक चुके हैं लेकिन जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग आंखे मूंदे बैठा हुआ है। पार्षदों ने बताया कि वार्डवासी उन्हें ताना देते हैं कि वार्ड व शहर का विकास नहीं हुआ तो उन्हें चुनने का क्या फायदा। उनका घर से निकलना मुश्किल हो गया है। वहीं चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि नपा द्वारा पानी की निकासी के लिए मोटरों की व्यवस्था की गई है। चेयरमैन सुंदर अत्री व तमाम पार्षदों ने मिलकर विधायक को ज्ञापन दिया और इन समस्या के समाधान की बात कही। वहीं विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि शहर उनका घर है और जहां जहां कमियां है उन्हें दुरूस्त करवाया जाएगा। किसी भी अधिकारी व कर्मचारी के कार्य के प्रति कोताही को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को भी सख्त आदेश दि। यदि शहर में सीवरेज, पानी की समस्या है तो विभाग के अधिकारी व कर्मचारी को उसका समाधान करना चाहिए। वहीं उन्होंने बताया कि शहर को विकास मामले में चमकाना उनका पहला धर्म है। कर्मचारी अधिकारी कोताही बरतते हैं तो मुख्यमंत्री से उनकी शिकायत की जाएगी।

किसानों का विधायक को ज्ञापन

- फसल बीमा की क्लेम राशि देने में भेदभाव का लगाया आरोप।

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। विधायक कपूर वाल्मीकि को ज्ञापन देते हुए किसान। *फोटो: हरिभूमि*

क्षेत्र के गांवों के किसानों के साथ फसली बीमा नहीं देने के कारण सरकार द्वारा सौतेला व्यवहार करने को लेकर किसान चिंतित दिखाई दे रहे हैं। शनिवार सुबह किसानों का प्रतिनिधिमंडल प्रधान राम अवतार भाकर के नेतृत्व मे विधायक कपूर वाल्मीकि से मिला ओर किसानों का 2023 का कपास का बकाया बीमा दिलवाने की मांग की । किसानों ने बताया कि उनके किसान क्रेडिट कार्ड से बीमा राशि तो कट गई है लेकिन उनकी खराब हुई फसलों की बीमा के रूप में एक पैसा भी नहीं दिया है। जिसके चलते किसानों में बेचैनी बढ़ गई है। वहीं किसानों ने बताया कि बवानी खेड़ा को छोड़कर के बाकी हर जगह सरकार ने फसल खराब होने के कारण बीमा की राशि उनके खातों में डाल दी गई है लेकिन बवानी खेड़ा के साथ सरकार भी सौतेला व्यवहार कर रही है। 2023 मे किसानों के खाते से प्रीमियम तो कट गया लेकिन पॉलिसी नहीं दी। जिसमे 228 किसान बलियाली से 769 किसान बडसी से 12 किसान रामपुरा से 218 सिपर से है कुल 1238 किसानो का क्लेम बनता है जो नहीं दिया गया।

लोक अदालत 35449 केसों का निपटारा

- जिला मुख्यालय व तोशाम, सिवानी, लोहारू में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों का निपटारा करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

हरियाणा राज्य विधिक सेवायें प्राधिकरण के आदेशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम पवन कुमार ने बताया कि शनिवार को जिला मुख्यालय के अलावा तोशाम, सिवानी व लोहारू न्यायिक परिसर में भी इस वर्ष की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। सीजेएम पवन कुमार ने बताया कि लोक अदालत वैकल्पिक विवाद समाधान की एक प्रणाली है जो भारत में बदलते समय के साथ एक प्रणाली के रूप में स्थापित हुई है। लोक अदालतें न केवल लंबित विवाद या पार्टियों के बीच उत्पन्न होने वाले विवादों को सुलझाती हैं, बल्कि यह सामाजिक सद्भाव को भी सुनिश्चित करती है क्योंकि विवाद करने वाले पक्ष अपने मामलों को अपनी पूर्ण संतुष्टि के साथ सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाते हैं। इससे अदालतों के लंबित मामलों में कमी आती है, क्योंकि अपील और संशोधन के रूप में आगे की कार्यवाही को भी समाप्त कर पक्षों की सहमति से मामलों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाया जाता है और त्वरित और प्रभावी तरीके से न्याय दिलाने के लिए उन्हें उपलब्ध कराया जाता है।

इन केसों की सुनवाई

सीजेएम पवनकुमार ने कहा कि लोक अदालत में अपराधिक मोटर वाहन दुर्घटना, पारिवारिक मामले, चालान, बैंक ऋण, दीवानी मामले, चेक बाउंस, राजस्व आदि से संबंधित मामले रखे गए। उन्होंने बताया इस आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में भिवानी की लोक अदालत में रखे गए कुल 49369 में से 35449 मामलों का निपटारा गया तथा 104816471/- रुपये की कुल राशि का निपटान किया गया। जो कि लोहारू में 92 में से 75, तोशाम में 45 में से 42, सिवानी में 375 में से 338 मामलों का मौके पर ही निपटारा किया गया।

सैफायर हाउस ने एमरल्ड हाउस को हराया

- खेलों से मानसिक व शारीरिक विकास संभव : दिव्या

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। फुटबाल मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के साथ स्कूल स्टाफ।

जी-लिट्रा वैली विद्यालय में आयोजित अंतर सदनीय फुटबॉल प्रतियोगिता में सैफायर हाऊस ने एमरल्ड हाऊस की टीम के बीच फाइनल मुकाबला हुआ। सैफायर हाऊस ने एमरल्ड हाऊस को 2-1 अंकों के अंतर से हराया। बाद में स्कूल प्रबंधन कमेटी के ट्रस्टी अमन गर्ग ने विजेता टीमों का हौसला अफजाई किया। जी-लिट्रा वैली विद्यालय में अंतर सदनीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें क्रमशः चार सदनों एमरल्ड, रूबी,सैफायर,टोपाज ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में फाइनल मैच सैफायर हाउस और एमरल्ड हाउस के बीच में हुआ। फाइनल मैच शुरू होते ही दोनों टीमों की तरफ से खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। एक दूसरे के गोल में फुटबाल फेंक कर अंक लेने का प्रयास किया,लेकिन आधा समय बीतने तक दोनों टीमों के अंकों का स्कोर 1-1 रहा। आधा समय बीतने के बाद दोबारा मैच शुरू हुआ।

बढ़ती है टीम भावना

प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में खेल के प्रति प्रोत्साहन में टीम की भावना को बढ़ावा मिलता है उनके शानदार प्रदर्शन के लिए पदक पहना कर व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर शैक्षणिक निदेश दिव्या गर्ग ने कहा कि शिक्षा के साथ साथ खेल भी खेलने बेहद जरूरी होते है। शिक्षा से केवल मानसिक विकास होता,लेकिन खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास होते है। प्रशिक्षक अनिल शर्मा, संजय भारद्वाज, राजेश सोनी को बेहतर मार्गदर्शन व प्रोत्साहन व विद्यार्थियों के लिए कठिन परिश्रम से मेहनत करवाने के लिए बधाई दी।

विधायक से मिले नए पदाधिकारी

- विधायक ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दी बधाई।

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। विधायक सुनील सांगवान से मुलाकात करते पदाधिकारी।

स्टेट बास्केटबॉल एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शनिवार को दादरी के विधायक सुनील सांगवान से मिले। विधायक ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। बास्केटबॉल के खेल को ऊंचाइयों तक ले जाने व युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता लाने का आह्वान किया। विधायक ने नवनियुक्त प्रधान अजय श्योराण व महासचिव श्रीपाल आदि को कहा कि खेल क्षेत्र से जुड़े ऐसे ऊर्जावान एवं समर्पित व्यक्तित्वों को राज्य स्तरीय नेतृत्व की जिम्मेदारी मिली है। इनकी टीम भावना, अनुभव और सकारात्मक दृष्टिकोण से खेल को नई दिशा और गति प्रदान करें।

बच्चे की प्रथम गुरु माता होती मां, जो बोलना, उठना, बैठना और संस्कार सिखातीः सांगवान

चरखी दादरी। अटेला के सरस्वती स्कूल परिसर में प्राचार्य योगेश सांगवान की अध्यक्षता में आयोजित शिक्षक टीचर मीटिंग एवं मातृ सम्मेलन हुआ। अनुशासन समिति के बच्चों ने अभिभावकों को पूरे विद्यालय परिसर का भ्रमण करवाया। विज्ञान लैब में अभिभावकों को विज्ञान के चमत्कारिक प्रयोग करके दिखाएं और समाज में पाखंडी लोगों द्वारा फैलाएं जा रहे पाखंडों का पर्दाफाश किया, जिसे देखकर सभी अभिभावक हैरान रह गए। बच्चों ने फिजिक्स केमिस्ट्री बायो वह टिंकरिंग लैब के बारे में अभिभावकों को पूरी जानकारी दी। स्कूल की कम्प्यूटर लैब व पुस्तकालय का अवलोकन किया। मातृ सम्मेलन को संबोधित करते हुए विद्यालय निदेशक जगदीश सांगवान ने मातृ शक्ति को अपने बच्चों के प्रति कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चे का प्रथम गुरु माता होती है वहीं से बच्चे को बोलना चलना उठना बैठना और संस्कार मिलने शुरू होते हैं। पिता से मां बच्चों के ज्यादा करीब रहती है इसलिए बच्चों की देखभाल मां के हाथ में होती है।

बार-बार शिकायत करने के बावजूद नहीं हो रही सुनवाई

मिड-डे-मीलः 74 दिन से बच्चों का नहीं मिला दूध

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। स्कूल में दोपहर का भोजन खाते बच्चे। *फोटो: हरिभूमि*

देशा म्ह देश हरियाणा जित दूध दही का खाना वाली कहावत बीते जमाने की होती जा रही है। अब स्कूलों में पढने वाले बच्चों को भी दोपहर के वक्त मिलने वाला दूध नहीं मिल रहा है। स्कूलों में यह समस्या अप्रैल से बनी है। पिछले 74 दिनों से स्कूलों में मिल्क पाऊडर न होने की वजह से बच्चों को दूध नहीं पिलाया जा रहा है। कई खंडों में यह समस्या एक माह से बनी है। कई बार विभाग के आला अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अभी तक स्कूलों में मिल्क पाऊडर की खेप नहीं पहुंची है। अभी पहली से आठवीं कक्षा तक के बच्चों को दूध नहीं दिया जा रहा है। मार्च माह तक स्कूलों में मिड डे मील में दिए जाने वाले दूध का पाऊडर पहुंचा था। जिन स्कूलों में सप्ताह में तीन दिनों तक दूध दिया गया, वहां दूध का पाऊडर खतम हो गया और जिन स्कूलों में नियमित नहीं दिया गया। ऐसे स्कूलों में अब स्कूलों में अप्रैल माह तक मिल्क पाऊडर का स्टाक बचा रहा। फिर सभी स्कूलों में मिल्क पाऊडर खतम हो चुका है। जिससे किसी भी स्कूल में बच्चों को दूध नहीं दिया जा रहा है।

दोपहर के भोजन से दो घंटे पहले देना होता है दूध

पहली क्लास से लेकर आठवीं क्लास तक के बच्चों को दोपहर का भोजन खिलाए जाने से करीब दो घंटे पहले दूध दिया जाता है। प्रत्येक बच्चे को 20 ग्राम मिल्क पाऊडर का दूध दिया जाता है। दूध दिए जाने के करीब दो घंटे बाद ही बच्चों को दोपहर का भोजन खिलाया जाता है। सप्ताह में तीन दिनों तक बच्चों को दूध दिया जाता है। दूध हजम होने के बाद ही दोपहर में भोजन दिया जाता है। ताकि भोजन करने के वक्त तक बच्चों को पिलाया गया दूध हजम हो सके। विभाग ने दूध देने का खाका इस लिए तैयार किया था कि बच्चों का स्वास्थ्य सुधर सके। पर अब करीब ढाई माह से स्कूलों में दूध नहीं दिया जा रहा है। इस बारे में कई बार शिक्षकों ने विभाग को सूचना भेजी है,पर अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है।

जल्द होगी सप्लाईः चाहर

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चाहर ने बताया कि दूध का पाऊडर का स्टॉक भेजे जाने की मांग कई बार आला अधिकारियों से की जा चुकी है। अभी तक दूध का पाऊडर नहीं भेजा गया है। उन्होंने विभाग से तत्काल दूध का पाऊडर भिजवाने की मांग की है। ताकि बच्चों की सेहत को सुधारा जा सके।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक , रविवार 13 जुलाई 2025

एआई अब केवल विशिष्ट ही नहीं लगभग हर क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। लेकिन इसके पॉजिटिव के बजाय मिसयूज होने की आशंका से पूरी दुनिया के लोग चिंतित हैं। यही वजह है कि एआई यूज करने को लेकर कुछ ग्लोबल रूल्स-रेग्यूलेशंस डिसाइड करने के उद्देश्य से जापान में सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और चुनौतियों पर एक नजर।

अब जल्द डिसाइड होंगे एआई यूज करने के रूल्स

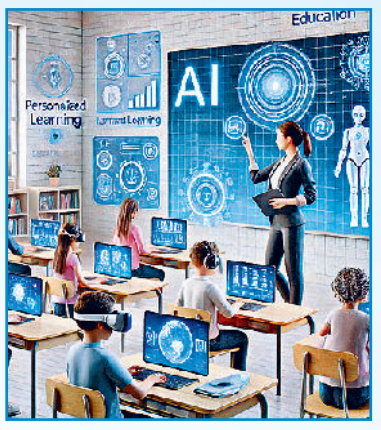

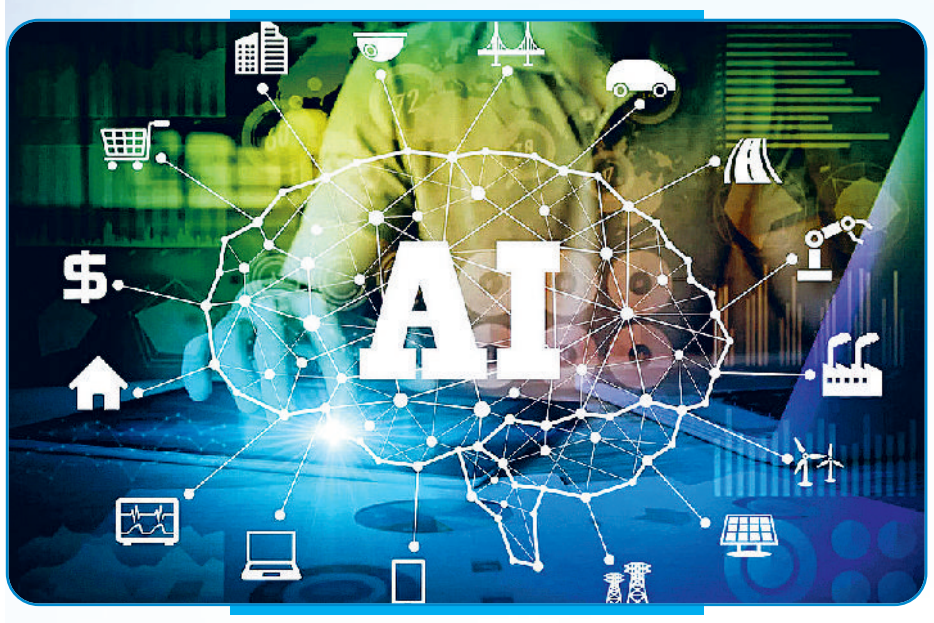

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

आगामी 27 से 29 जुलाई 2025 तक टोक्यो (जापान) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर तीन दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में मानव समाज के लिए एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय होगी।

पहले भी होते रहे हैं प्रयास

साल 2010 से ही पश्चिमी दुनिया में एआई के मानव जीवन में इस्तेमाल को लेकर जबर्दस्त नैतिक दुविधा का वातावरण रहा है। इसलिए सन 2010 में दुनिया भर की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन और शोध संस्थान मानव केंद्रित एआई के इस्तेमाल के बीच सिद्धांतों की दिशा तय करने के लिए लगातार विचार और विमर्श की एक श्रंखला प्रसारित करते रहे हैं। साल 2010 से शुरू हुए इस व्यापक विचार-विमर्श ने 2021 में यूरोपीय आयोग के उस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्ट का मसौदा प्रकाशित करने तक के सफर को पूरा किया, जहां से यह तय होना शुरू हुआ कि अंततः एआई को मानव समाज के लिए वर्गीकृत कर लिया जाए और इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को अलग-अलग दायित्वों के साथ जोड़ा जाए। अमेरिका में 2022 का एल्गोरिद्म जवाबदेही अधिनियम, फरवरी 2022 में कांग्रेस के दोनों सदनों में पेश किया गया था। इसके बाद जून 2022 में कनाडा ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एक्ट का प्रस्ताव रखा, जिसमें उच्च प्रभाव वाली एआई प्रणालियों के बारे में जोखिम प्रबंधन और सूचना प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया गया। जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एआई के लिए मानव केंद्रित दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद की और अब अंततः जापान में ही आगामी जुलाई माह में तीन दिनों तक एआई को लेकर जो एक विशद सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उसका उद्देश्य एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करना है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वास्तव में यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई सिद्धांतों की समीक्षा करेगा- मसलन वैश्विक एआई नीति ढांचों में गहराई से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि मानव गरिमा, विविधता, समावेश और पारदर्शिता मुख्य मुद्दे के रूप में गहन विचार-विमर्श के केंद्र में रहें। यूरोप, जापान, ओईसीडी तथा जी-7 जैसे संगठनों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई वैश्विक रूप से अनुकूल और एकीकृत दिशा ले सके। इस सम्मेलन में सिर्फ सिद्धांतों तक बात सीमित नहीं रहेगी बल्कि तकनीकी सुरक्षा पर भी फोकस होगा। तकनीकी जोखिम जैसे बायस, एलाइनमेंट, आउटपुट के स्पष्टीकरण इत्यादि की भी केंद्रीय चर्चा होगी। सबसे ज्यादा इस बात पर जोर दिया जाएगा कि इंसानी समाज के नजदीकी नैतिक मुद्दों के साथ-साथ भविष्य की चिंताओं जैसे मानव-समान बुद्धिमत्ता और चेतना जैसी जटिल स्थितियां भी विचार में रहेंगी। अगर यह कहा जाए कि अंततः यह सम्मेलन एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय करेगा या उस दिशा की ओर आगे बढ़ेगा, तो गलत नहीं होगा।

कुछ नियम होंगे निर्धारित

यह जरूरी नहीं है कि इस सम्मेलन के बाद एआई से संबंधित कोई वैश्विक नियम लागू हो ही जाए कि एआई का इस्तेमाल इस नियम के तहत किया जाएगा। हो सकता है अभी यहां तक बात न पहुंचे, लेकिन इस सम्मेलन से यह तय होगा कि एआई किन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगी। मसलन स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत विकास, जैसे मानव हितैषी क्षेत्रों में एआई का किस तरह ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक इस्तेमाल करके मानव समाज को बेहतर बनाया जाए। इस सम्मेलन में यह भी तय होगा कि एआई का उपयोग हथियारों को घातक बनाने, इंसान की सूक्ष्म निगरानी करने या उसके विरुद्ध अमानवीय प्रयोगों में न किया जाए। इसके लिए सिर्फ रोक-टोक भर काफी नहीं होगी बल्कि स्पष्ट रूप से नियम बनाए जाएंगे और कड़े से कड़े नैतिक सवालों से उन्हें घेरा जाएगा।

एआई विकास की दिशा तय होगी

सवाल है आखिर किन मूल्यों के आधार पर भविष्य में एआई का विकास हो और उसके इस्तेमाल की दिशा तय हो? सुनिश्चित रूप से अभी तक इस सम्मेलन की जो विमर्शगत थीम तैयार हुई है, उसके मुताबिक इस सम्मेलन में एआई की पारदर्शिता, उसकी जवाबदेही, मानव गरिमा और अधिकारों का सम्मान तथा विविधता व समावेशिता के नियमों पर कड़ाई से एआई को खरा उतरना पड़ेगा। इस बात पर पूरी दुनिया के बीच एक निर्णायक समझ बनेगी। यह सम्मेलन एआई तकनीकी विकास की भी दिशा तय करेगा। मसलन, ऐसी तकनीक विकसित होगी, जिसका उद्देश्य मानव समाज के व्यापक हित में हो और जिसके विकास का निर्णय समझाया जा सके। इस सम्मेलन में बायस फ्री एआई यानी ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति सहमति बनेगी, जिसमें पहले से कोई पूर्वग्रह न हो और हां, अंतिम रूप से यह तय किया जाएगा कि एआई का अंतिम नियंत्रण मनुष्य के हाथ में रहे, एआई के हाथ में मनुष्य का नियंत्रण न जाए। यह सम्मेलन विभिन्न देशों, विभिन्न टेक्नो कंपनियों और समाज के बीच क्या सही है, क्या गलत है, इस पर अंतिम रूप से अपनी निर्णायक सोच विकसित करेगा ताकि भविष्य में एआई का इस्तेमाल बेतरतीब न हो बल्कि यह नैतिक और जिम्मेदारी के नियंत्रण में रहे। कुल मिलाकर यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई विकास, वैश्विक नैतिक दिशा निर्देश, तकनीकी सुरक्षा और एआई को लेकर एक दीर्घकालिक समझ को विकसित करेगा। *

कई वजहों से महत्वपूर्ण होगा यह सम्मेलन

अगर कहा जाए कि होने वाला यह सम्मेलन मानव समाज के लिए अंततः एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करेगा, इसके लिए कानून भले न बनाए, लेकिन नीति, प्राथमिकता और नैतिक दिशा तय करेगा, तो गलत नहीं होगा। वास्तव में यह सम्मेलन इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि- इसमें नीति और नवाचार के बीच सेतु बनाया जाएगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर जारी वैश्विक दिशा में जापान की अपनी भागीदारी बढ़ेगी। तकनीकी संरक्षण और नैतिक शासन के दृष्टिकोण से जापान को भी केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अवसर इस सम्मेलन के जरिए हासिल होगा। साथ ही इस सम्मेलन में स्वतंत्र अनुसंधानों और मल्टी स्टेकहोल्डरों की दृष्टि साझी होगी। मतलब यह कि यह सम्मेलन सिर्फ सरकार या तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उद्योग जगत, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन के जरिए इसमें निर्णायक हस्तक्षेप करेंगे।

{ फ्यूचर प्लानिंग / शैलेंद्र सिंह }

बहुत जल्द अंतरिक्ष में होगा इंडियन स्पेस स्टेशन

फिलहाल आईएसएस और चीन के स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव हैं। इनके अलावा जल्द ही भारत का अपना स्पेस स्टेशन भी स्पेस में पहुंच जाएगा। इसकी प्लानिंग और खासियतों पर एक नजर।

अब से दो वर्ष पहले 23 अगस्त 2023 को जब भारत, चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना था, उसके पहले किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि भारत जैसा देश भी आने वाले एक दशक के भीतर स्पेस में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की भी घोषणा कर सकता है। लेकिन जब हम चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल हुए, उसके बाद यह घोषणा की थी। अब किसी को इस बारे में आशंका नहीं रह गई है कि निकट भविष्य में भारत, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा।

तीन साल बाद होगा लांचः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल 2028 तक भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन लांच करने का ऐलान किया है। उसके मुताबिक 2028 में लांच होने वाला मॉड्यूल एक रोबोटिक मॉड्यूल होगा यानी, एक ऐसा उपग्रह जहां हम डॉक कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लेकिन इंसान का अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना साल 2035 के बाद ही संभव होगा।

कुछ ऐसा था पहला आईएसएसः अंतरिक्ष स्टेशन (एसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन या रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह होता है। दुनिया का पहला अंतरिक्ष स्टेशन साल्युट 1 था, जिसे तत्कालीन सोवियत संघ (अब मुख्य तौर पर रूस) ने 19 अप्रैल 1971 को कजाकिस्तान के बायकोनूर कॉसमोड्रोम से लांच किया था। यह अंतरिक्ष स्टेशन करीब 20 टन वजनी और बेलनाकार था। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 4.25 मीटर थी। सिंगल डॉकिंग पोर्ट वाला यह स्टेशन, तीन कार्यशील खंडों में विभाजित था। इसके भेजने का मुख्य मकसद लंबी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा में इंसान के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और अंतरिक्ष से पृथ्वी की निरंतर तस्वीरें लेना था।

दुनिया का पहला एसएस साल्युट-1

अभी एक्टिव हैं दो एसएसः अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में पूरी तरह से कार्यरत दो अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद हैं। पहला आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन) और दूसरा चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन यानी टीएसएस। वर्तमान में जो कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन है, उसे 20 नवंबर 1998 को लांच किया गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के नेतृत्व में संचालित यह स्पेस स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय सहयोग से संचालित परियोजना है। इसमें 5 देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां भागीदार हैं। अमेरिका की नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन), रूस की रोस्कोस्मोस, जापान की जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), यूरोप की ईएसए (यूरोपीयन स्पेस एजेंसी) और कनाडा की सीएसए (कनाडियन स्पेस एजेंसी)। इस स्पेस स्टेशन में छह भाग हैं, जिसमें दो बाथरूम, एक जिम और एक 360 डिग्री का दृश्य दिखाने वाली खिड़की। नासा के मुताबिक इस अंतरिक्ष स्टेशन की माप करीब 109 मीटर है। इसे 1984 और 1993 के बीच डिजाइन किया गया था। साल 2000 से इस अंतरिक्ष स्टेशन में दुनिया के अलग-अलग देशों के एस्ट्रोनॉट्स ने रहना शुरू किया। ये अंतरिक्ष यात्री यहां रहकर दूसरे ग्रहों की स्टडी और विभिन्न तरह के दूसरे प्रयोग करते हैं। मौजूदा आईएसएस धरती से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहकर पृथ्वी के चक्कर काटता है। इसकी रफ्तार 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा है, जिससे यह महज 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

आईएसएस के अलावा अंतरिक्ष में जो दूसरा अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है, वह चीन का तियांगोंग है। यह एक स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन है, जिसकी लंबाई 55 मीटर या 180 फीट है। इसमें तीन मॉड्यूल हैं, जिसमें एक कोर मॉड्यूल है, जहां छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा चीन के इस अंतरिक्ष स्टेशन में 3,884 क्यूबिक फुट या 110 क्यूबिक मीटर के दो मॉड्यूल हैं। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन, नासा के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छोटा है। यह पृथ्वी से 450 किमी तक कक्षीय ऊंचाई पर काम करता है।

ऐसा होगा इंडियन स्पेस स्टेशनः इसरो ने अपनी इस महत्वाकांक्षा का खुलासा साल 2019 में ही कर दिया था और तब ही ऐलान भी किया था कि अगले 20 से 25 सालों में भारत का अंतरिक्ष में अपना बेस होगा। कहने का मतलब यह कि अंतरिक्ष स्टेशन इसरो के फ्यूचर प्लान में काफी पहले से शामिल रहा है। इसरो के मुताबिक प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल का वजन 8 टन होगा, जिसका वजन बाद में 20 टन का भी हो सकता है। इसमें एक साथ 4 से 5 एस्ट्रोनॉट्स रह सकेंगे और इसे पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा में रखा जाएगा, जिसे एलईओ (लोअर अर्थ ऑर्बिट) कहते हैं और यह धरती से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत अपने गगनयान मिशन को भी पृथ्वी के लोअर आर्बिट में ही भेजने वाला है, वहीं पर इसरो का अपना स्पेस सेंटर भी स्थापित होगा। भारत सरकार ने इसके लिए जरूरी फंड कई साल पहले जारी कर दिया था। *

{ गजल / अवतार सिंह अक्षरजीवी }

सच बोलने वाले

सच बोलने के खतरे बहुत हैं
सच बोलने वाले मरते बहुत हैं
सब जानते हैं फिर भी सच
कहते हैं कम, डरते बहुत हैं
न देखा न सुना जाता है ये
हौव्वा है इससे छुपते बहुत हैं
गिर गया तो उठाता नहीं कोई
सच से लोग खिचकियाते बहुत हैं
ठाठकों में कमी छुपाते हैं लोग
सच कहने वाले पे हंसते बहुत हैं
सच बोलने वाले गिनती के हैं बस
झूठ पर जीने वाले मिलते बहुत हैं

{ लघुकथा / गीता सिंह }

बांझिन का घर

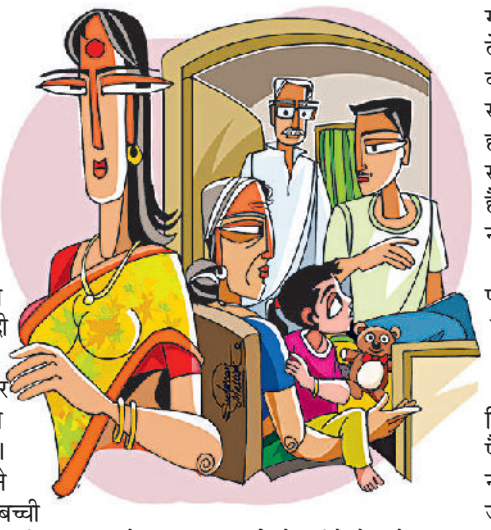

सुजाता अपने सास-ससुर के लिए चाय-नाश्ता बना रही थी, जो बस थोड़ी देर पहले ही आरा से पटना आए थे। सुजाता के सास-ससुर अपनी पोती से मिलने के लिए अकसर आरा से पटना आ जाया करते थे। बेटे की शादी के काफी सालों बाद उन्हें दादा-दादी बनने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

रविवार की छुट्टी थी। सुजाता का पति समीर आज घर पर ही था। वह सोफे पर बैठा हुआ टीवी देख रहा था। पास ही तीन साल की बेटी बिट्टो भी अपने खिलौनों से खेल रही थी। बीच-बीच में वह अपने पापा से टीवी पर कार्टून चैनल लगाने की जिद्द भी करती, लेकिन समीर बिट्टो को झिड़क देता। बच्ची डरकर शांत बैठ जाती या रोते हुए अपनी मम्मी के पास पापा की शिकायत लेकर पहुंच जाती। सुजाता, बेटी को कभी प्यार तो कभी गुस्से से समझाकर वापस खेलने के लिए भेज देती।

तभी सुजाता ने समीर को आवाज लगाई, 'चाय-नाश्ता तैयार हो गया है। टीवी बंद कर मम्मी-पापा के कमरे में चले जाइए। आप भी वहीं बैठकर उनके साथ नाश्ता कर लीजिए।'

समीर अनमने मन से टीवी बंद करके दूसरे कमरे में मम्मी-पापा के पास चला गया। कमरे में घुसते ही वहां का हाल देखकर झल्लाते हुए बोला, 'बिट्टो तो घर में कोई सामान जगह पर नहीं रहने देती। सब सामान इधर-उधर फैलाती रहती है। बेड का हाल तो देखो जरा, कितनी बुरी हालत हो रही है। उफ्फ! बेडशीट पर इतनी सिलवटें हैं, कितनी गंदी हो गई है। कभी घर साफ ही नहीं रहता।'

इस बात पर सुजाता कुछ बोलती, उससे पहले उसकी सासू मां बोल पड़ीं, 'अरे, बच्चे वाला घर है, किसी बांझ-बांझिन का घर थोड़ी न है, जो हरदम साफ रहेगा।' उन्होंने ऐसा बोलकर अपने बेटे को तो शांत कर दिया, किंतु सुजाता के भीतर घोर अशांति फैला दी। उसका मन अशांत होता भी क्यों नहीं? आखिर सुजाता के मन-मस्तिष्क पर जमे कुछ शब्दों के अर्थ आज सामने जो थे।

बरसों से करीने से सजे साफ-सुथरे घर रखने पर तब जो तारीफ सुजाता को दूसरों से मिला करती थी, सासू मां मौजूद होने पर थोड़ा मुस्कुराते हुए हमेशा यही बात बोला करती थीं, 'घर तो साफ रहेगा ही...।'

सासू मां इतना बोलकर चुप हो जाती थीं। सुजाता को तब लगता कि शायद सासू मां उसकी तारीफ में ऐसा बोला करती हैं। ...लेकिन आज उन्होंने पूरी बात बोलकर, उन शब्दों के अर्थ अनजाने में ही सुजाता के सामने प्रकट कर दिए थे- 'घर तो साफ रहेगा ही... बांझिन का घर जो ठहरा...' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आत्मीय ऊष्मा से भीगे संस्मरण

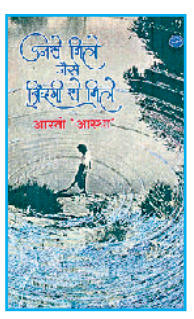

कवयित्री और कथाकार आरती 'आस्था' के द्वारा लिखे गए दस संस्मरणों की किताब 'उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले' हाल में छपकर आई है। इनमें एक तरफ जहां उनके निजी जीवन की छवियां उजागर होती हैं, वहीं आज के संवेदनहीन होते जा रहे समय में भावनात्मक संबंधों की अत्यंत सघन अनुभूतियां, मन को आश्वस्त करती हैं कि अब भी दुनिया में बहुत कुछ सुंदर और संजोने लायक बचा हुआ है। इनमें राजेंद्र राव, ओम निश्चल, कृष्ण बिहारी, विनोद श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी और आशीष शुक्ला जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में अर्जित अनुभूतियों को लेखिका ने मार्मिकता के साथ शब्दों में पिरोया है। इनके अलावा कुछ ऐसे स्नेही स्वजनों के प्रति भी उन्होंने शाब्दिक कृतज्ञता अर्पित की है, जिन्होंने जीवन के कठिन समय में उन्हें संबल दिया। शिल्पगत कृत्रिमता से मुक्त, सहज भाषा में लिखे गए ये संस्मरण मन में ठहर जाते हैं। वास्तव में ईमानदारी और सहजता ही इन संस्मरणों का सौंदर्य है, जो पारंपरिक संस्मरण विधा की बनी-बनाई परिधि से इतर इन संस्मरणों को अलग पहचान प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार यश मालवीय ने पुस्तक की भूमिका में उचित ही लिखा है, 'पृष्ठ-पृष्ठ पर जैसे यादों का लोहबान जल रहा है। आत्मीय ऊष्मा से नहा गया है मन।' *

पुस्तकः उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले, **लेखिकाः** आरती 'आस्था', **मूल्यः** 180 रुपए, **प्रकाशकः** सर्व भाषा ट्रस्ट, दिल्ली

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

Advt...

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

तीर्थयात्रा
डॉ. शिबन कृष्ण रैणा

हर वर्ष सावन माह में बाबा अमरनाथ धाम में प्राकृतिक रूप से निर्मित होने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश भर से हजारों-लाखों श्रद्धालु अमरनाथ तीर्थयात्रा करते हैं। अत्यंत दुर्गम होने के बावजूद धार्मिक आस्था और पुण्य अर्जित करने की कामना से भक्तगण इस यात्रा में भरपूर उत्साह से सम्मिलित होते हैं। इस यात्रा की विशिष्टता और महत्ता के बारे में जानिए।

आध्यात्मिक आनंद-अक्षय पुण्य प्रदान करती है अमरनाथ यात्रा

भारत वर्ष तीर्थों की पवित्र भूमि है। इस धरा पर ऐसा कोई प्रांत नहीं, जहां तीर्थस्थल न हों। ये तीर्थस्थल दीर्घकाल से आस्था एवं विश्वास के प्रमुख केंद्र रहे हैं। सनातन धर्मावलंबियों के लिए कश्मीर प्रांत में स्थित अमरनाथ नामक तीर्थस्थल का विशेष महत्व है। कल्हण की 'राजतरंगिणी' में इस तीर्थ को 'अमरेश्वर' कहा गया है। अमरनाथ हिंदी के दो शब्द 'अमर' अर्थात 'अनश्वर' और 'नाथ' अर्थात 'भगवान' को जोड़कर बनता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों- सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ॐकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, वैद्यनाथ, त्रयंबकेश्वर, रामेश्वरम, नागेश्वर और घृष्णेश्वर के अतिरिक्त अमरनाथ का भी विशेष महत्व है। शिव के प्रमुख स्थलों में अमरनाथ अन्यतम है। इसीलिए अमरनाथ को तीर्थों का तीर्थ कहा जाता है। मृत्यु को जीतने वाले मृत्युंजय शिव अमर हैं, इसीलिए अमरेश्वर भी कहलाते हैं। श्रद्धालु अमरेश्वर को ही बाबा अमरनाथ और बर्फानी-बाबा भी कहते हैं। अमरनाथ तीर्थस्थल जम्मू-कश्मीर राज्य के श्रीनगर शहर के उत्तर-पूर्व में 141 किलोमीटर दूर समुद्र तल से 3,888 मीटर (12756 फुट) की ऊंचाई पर स्थित है। इस गुफा की लंबाई (भीतर की ओर गहराई) 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। 40 मीटर ऊंची अमरनाथ गुफा में पानी की बूंदों के जम जाने की वजह से ठोस बर्फ का एक अप्रतिम-दैवीय शिवलिंग निर्मित होता है।

पौराणिक मान्यता: एक पौराणिक गाथा के अनुसार भगवान शिव ने पार्वती को अमरत्व का रहस्य (जीवन और मृत्यु के रहस्य) बताने के लिए इसी गुफा को चुना था। कथा के अनुसार जब देवी पार्वती ने भगवान शिव से अमरत्व के रहस्य को प्रकट करने के लिए कहा, तब यह रहस्य बताने के लिए भगवान शिव, पार्वती को हिमालय की इस गुफा में ले गए, ताकि उनका यह रहस्य कोई भी न सुन पाए और यहीं पर भगवान शिव ने देवी पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था।

पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता: इतिहासकारों का मानना है कि अमरनाथ यात्रा, हजारों वर्षों से चली आ रही है। अमरनाथ-दर्शन का महत्त्व पुराणों में भी मिलता है। बृंगेश संहिता, नीलमत पुराण, कल्हण की राजतरंगिणी आदि में इस तीर्थ का उल्लेख मिलता है। नीलमत पुराण में अमरेश्वर के बारे में दिए गए उल्लेख से पता चलता है कि इस तीर्थ के बारे में छठी-सातवीं शताब्दी में भी लोगों को जानकारी थी। स्वामी विवेकानंद ने 1898 में जब अमरनाथ गुफा की यात्रा की तो भावविभोर होकर कहा था, 'मुझे सचमुच लगा कि स्वयं शिव के दर्शन हो गए हैं। मैंने ऐसी सुंदर प्रतिमा कभी नहीं देखी और न ही किसी धार्मिक-स्थल की यात्रा का इतना आनंद आया।'

यात्रा के हैं दो मार्ग: अमरनाथ की गुफा तक पहुंचने के लिए सामान्यतः दो मार्ग हैं। प्रथम पहलगाम मार्ग और दूसरा सोनमर्ग-बालतल मार्ग। पहलगाम मार्ग अपेक्षाकृत सुविधाजनक है, जबकि बालतल मार्ग हालांकि अमरनाथ की गुफा से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन यह मार्ग अत्यंत दुर्गम है। सामान्यतः यात्री पहलगाम मार्ग से ही अमरनाथ यात्रा करते हैं। पहलगाम से अमरनाथ की दूरी 45 किलोमीटर है। इस यात्रा मार्ग में चंदनबाड़ी, शेषनाग तथा पंचतरणी तीन प्रमुख रात्रि पड़ाव हैं। प्रथम पड़ाव चंदनबाड़ी है, जो पहलगाम से 12.8 किलोमीटर की दूरी पर है। तीर्थयात्री पहली रात यहीं पर बिताते हैं। दूसरे दिन पिस्सू घाटी की चढ़ाई प्रारंभ होती है। चंदनबाड़ी से 13 किलोमीटर दूर शेषनाग में अगला पड़ाव होता है। यह चढ़ाई अत्यंत दुर्गम है। यहीं पर पिस्सू घाटी के दर्शन होते हैं। पूरी यात्रा में पिस्सू घाटी का मार्ग बहुत कठिन है। पिस्सू घाटी समुद्र तल से 11,120 फुट की ऊंचाई पर है। इसके पश्चात यात्री शेषनाग पहुंचते हैं। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबाई में फैली हुई झील अत्यंत सुंदर है। तीर्थयात्री रात्रि में यहीं विश्राम करते हैं। तीसरे दिन यात्रा पुनः आरंभ होती है। इस यात्रा मार्ग में महागुणास दर्रे को पार करना पड़ता है। महागुणास से पंचतरणी का पूरा रास्ता ढलान-युक्त है। छोटी-छोटी पांच नदियों के बहने के कारण यह स्थान पंचतरणी नाम से प्रसिद्ध हुआ है। पंचतरणी से अमरनाथ की पवित्र गुफा 6 किलोमीटर की दूरी पर है। गुफा के समीप पहुंच कर पड़ाव डाल दिया जाता है तथा प्रातःकाल पूजन इत्यादि के पश्चात शिव के हिमलिंग के दर्शनोपरांत भक्तजन पुण्य लाभ के भागीदार बनते हैं।

प्राप्त होता है पुण्य लाभ: प्रतिवर्ष संपन्न होने वाली इस पुण्यदायिनी यात्रा से अनेक पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि अमरनाथ दर्शन और पूजन से महापुण्य प्राप्त होता है। शास्त्रों में इंद्रिय निग्रह पर विशेष बल दिया गया है, जिससे मुक्ति की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में वर्णित है कि अमरनाथ यात्रा 'निग्रह' के बिना ही मुक्ति प्रदान करने वाली है, क्योंकि यात्राक्रम में आने वाली कठिनाइयों और गंतव्य-स्थल पर पहुंच कर होने वाले अनेकविध अनुभवों के कारण तीर्थयात्री को विविध प्रकार के सांसारिक कष्टों का बोध होता है। साथ ही शिव के हिमलिंग रूप के दर्शन से उसका हृदय इतना संयमित हो जाता है कि इंद्रिय-निग्रह किए बिना ही उसे मुक्ति प्राप्त होती है। भोलेनाथ भक्तों के समस्त भव रोगों और दुःखों का समूल नाश करते हैं।

श्रद्धा-सौहार्द भरी यात्रा: श्रावण मास में पवित्र हिमलिंग के दर्शनार्थ लाखों लोग भिन्न-भिन्न प्रदेशों से यहां आते हैं। अमरनाथ यात्रा से संबंधित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक तथ्य यह है कि यह यात्रा पारस्परिक सद्भाव के प्रचार-प्रसार का कार्य भी करती है। विभिन्न प्रांतों से शिव के दर्शनार्थ आने वाले भक्तों में परस्पर समभाव की भावना विकसित होती है। विभिन्न भाषा-भाषी लोगों में परस्पर वार्तालाप होता है, भाईचारे की भावना का विकास होता है और विभिन्न प्रांतों की भौगोलिक जानकारी का आदान-प्रदान होता है। अतः अमरनाथ तीर्थयात्रा को तीर्थाटन के अतिरिक्त श्रद्धा, ज्ञान एवं सौहार्द के समुच्चय के रूप में भी जाना जाता है। *

अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी पर्सनालिटी से इंप्रेस हो, हर कोई आपसे जुड़ना चाहे, आपकी हेल्प करने को तैयार रहे, तो इसके लिए आपको खुद में कुछ क्वालिटीज को डेवलप करना होगा। इस बारे में जानिए।

पर्सनालिटी बनेगी मैग्नेटिक
डेवलप करें ये क्वालिटीज

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

मनीष का सोशल सर्कल देखकर उसके कुछ रिश्तेदारों को बड़ी हैरानी हुई। उसकी बेटी की शादी थी तो उसकी पूरी सोसाइटी और ऑफिस के लोग उसकी मदद के लिए ऐसे तत्पर थे, मानो वह कोई बहुत बड़ी हस्ती हो। किसी को कहने भर की देर थी काम चुटकियों में हो रहा था। कुछ रिश्तेदारों को उसके इस रुतबे से बेहद खुशी हुई, तो कुछ को ईर्ष्या भी महसूस हुई। उसके चचेरे भाई ने जरूर उसकी पीठ ठोकते हुए कहा, 'भाई तूने अपनी अच्छी रेपुटेशन बना रखी है। बिल्कुल चुंबक है, चुंबक।' ऐसी चुंबकीय पर्सनालिटी का स्वामी बनना बहुत कठिन बात नहीं है। इसके लिए आपको बस कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

दूसरों को स्पेशल फील कराएं: हर व्यक्ति स्वयं को महत्वपूर्ण मानता है और चाहता है कि दूसरे भी उसे मान सम्मान दें। यह स्वभाव सामान्य से लेकर अति विशिष्ट तक हर व्यक्ति का होता है। सब चाहते हैं कि उसकी सराहना की जाए और वह ऐसे ही व्यक्ति को पसंद करते हैं, जो उन्हें ऐसा महत्व देता है। इसलिए मानव व्यवहार की इस मूलभूत इच्छा को समझें और लोगों के साथ ऐसा ही आचरण करें। जाहिर है, वे भी आपके साथ ऐसा ही व्यवहार करेंगे।

सोशल नेटवर्क बढ़ाएं: हमारे जीवन में सामाजिक संबंधों का होना बेहद जरूरी है। ये प्रोफेशनल ही नहीं, पर्सनल लाइफ में भी बहुत सपोर्ट करते हैं। लोगों से मेल-जोल बढ़ाएं। उनके साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करें। महत्वपूर्ण अवसरों पर उन्हें निमंत्रण और उपहार दें। किसी के निमंत्रण पर वहां जरूर जाएं। अगर कोई मुसीबत में है और उसे आपकी जरूरत है तो उसकी यथासंभव मदद करें। आपका मृदु व्यवहार और मिलनसार स्वभाव न सिर्फ आपका सामाजिक दायरा बढ़ाता है, यह आपको उन ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद कर सकता है, जिनकी आप कामना करते हैं।

आभार और बधाई देना सीखें: सहयोग या मदद के बदले आभार प्रकट करने वाले और किसी की उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं देने में आगे रहने वाले लोगों को हर कोई पसंद करता है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते। आप अगर इन दोनों गुणों को अपना लेते हैं तो लोग आपको जरूर पसंद करेंगे, आपको इंपॉर्टेंस देंगे।

उम्मीदें ना करें: लोगों से उम्मीदें रखने से अकसर निराशा हाथ लगती है। जब आपकी उम्मीदें पूरी नहीं होतीं, तो आप उनके प्रति बुरा सोचने लगते हैं। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक ही है। फिर दूसरे भी आपसे दूर रहने लगते हैं। जीवन में व्यावहारिक बनें और सरल सोचें। अगर आपने किसी की मदद की है, तो वह आपका स्वभाव है और आपको सुविधा थी तो आपने वैसा किया। इस भाव से मदद करने और संपर्क रखने पर जादुई असर होता है। लोगों के एक बड़े समूह के बीच आप लोकप्रिय होने लगते हैं।

शब्दों का चयन सावधानी से करें: आप लोगों से अपनी बातचीत के माध्यम से जुड़ते हैं। उन्हें प्रभावित भी संवाद से ही किया जा सकता है। आप बोलते वक्त कैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, आपकी टोन कैसी है, बॉडी लैंग्वेज कैसी है आदि बातें बहुत मायने रखती हैं। दूसरों की बात गौर से सुनें, आई कॉन्टेक्ट रखें। कोई अपनी बात कह रहा है तो बीच में अपनी गाथा ना सुनाएं। अनचाही सलाह देने से बचें और तेज आवाज में बात न करें। कम्युनिकेशन स्किल जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है, चाहे वह रिश्ते बनाना हो या कारोबार बढ़ाना हो। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली होने लगेगा। लोग आपसे जुड़ते चले जाएंगे। *

उपयोगी पेड़
वीना गौतम

अच्छी सेहत के साथ अच्छी आमदनी भी कराए अनार

पौष्टिकता और औषधीय गुणों से भरपूर अनार का वैज्ञानिक नाम 'पुनिका ग्रैनटम' है। यह 'लिथरेसी' परिवार का पेड़ है। हाल के सालों में अनार एक महत्वपूर्ण नकदी फसल के रूप में उभर कर सामने आया है। अनार मध्यम आकार का झाड़ीनुमा वृक्ष होता है, जो आमतौर पर 6 से 8 फुट ऊंचा होता है, लेकिन व्यवस्थित तरीके से देखरेख करने पर इसके पेड़ 10 से 15 फीट तक भी ऊंचे हो सकते हैं। इसका फल गोलाकार, कठोर परत वाला होता है। इस कठोर परत के नीचे लाल रंग के रसदार दाने भरे होते हैं।

सदियों पुराना पेड़: अनार मूलतः ईरान और उत्तरी भारत का देशज पेड़ माना जाता है। भारत में अनार का पेड़ प्राचीनकाल से मौजूद रहा है। हमारे प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी अनार के औषधीय गुणों का उल्लेख मिलता है। प्राचीनकाल में अनार राजा-महाराजाओं के लिए ही उपलब्ध था, यह उनके भोजन और फलाहार का हिस्सा हुआ करता था।

अनार की विभिन्न किस्में: भारत में अनार की पाई जाने वाली सबसे लोकप्रिय किस्म 'भगवा' है। इस किस्म के फल बड़े और दाने चमकदार लाल रंग के होते हैं। निर्यात के लिए यह उपयुक्त किस्म मानी जाती है। भगवा के अलावा कंधारी, गणेश, अर्का मृदुला, अर्का रक्षक, ज्योति, रूबी नाम की किस्में पाई जाती हैं। हर किस्म की कुछ न कुछ खासियत होती है।

भारत में खेती: पहले अनार का पेड़ आमतौर पर हिमालयी क्षेत्रों और दक्कन के पठार में ही पाया जाता था। मगर आजकल देश के ज्यादातर हिस्सों में इसकी अलग-अलग किस्में उगाई जाती हैं। भारत में व्यावसायिक दृष्टि से अनार का सर्वाधिक उत्पादन महाराष्ट्र में होता है। महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश और पंजाब के कई क्षेत्रों में भी अनार की खेती की जाती है। अनार की खेती के लिए उपयुक्त दशाओं की बात करें तो इसके लिए लिए कम वर्षा, हल्की दोमट मिट्टी और 5.5 से 7.5 पीएच की भूमि सबसे उपयुक्त होती है।

किसानों के लिए फायदेमंद: एक एकड़ जमीन में करीब 400 से 500 अनार के पेड़ लग जाते हैं और हर पेड़ से कम से कम 10 से 12 किलो अनार का उत्पादन होता है। प्रति एकड़ 4000 से 6000 किलोग्राम तक अनार का उत्पादन हो सकता है। इसमें 60 हजार से 1 लाख रुपए के बीच लागत आती है। अगर इसका बाजार भाव 80 रुपए भी मिल जाए तो किसान को हर साल 3 से 4 लाख रुपए की आमदनी हो सकती है। *

टेक्नो-बिहेवियर
मेघा राठी

लगभग सभी सोशल मीडिया यूजर्स इमोजी का यूज करते ही हैं। लेकिन इसका यूज करते समय कुछ एटिकेट्स का ध्यान रखना जरूरी है। इमोजी डे (17 जुलाई) के अवसर पर जानिए इनके बारे में।

जब यूज करें इमोजी ना भूलें एटिकेट्स

इन दिनों सोशल मीडिया पर चैटिंग करने के दौरान या मैसेज भेजते समय इमोजी का यूज करना एक ट्रेंड बन गया है। लेकिन इमोजी भेजते समय लापरवाही बरतना आपकी इमेज बिगाड़ सकता है, आपको नॉनसिरीयस साबित कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि शब्दों की तरह ही इमोजी का भी यूज सोच-समझकर करें।

डिजिटल युग में कम्युनिकेशन: वर्तमान डिजिटल युग में संवाद का स्वरूप तेजी से बदला है। सोशल मीडिया पर लेख, पोस्ट, सूचनाएं या अनुभव कुछ भी पढ़कर शीघ्रता से प्रतिक्रिया के रूप में 'लाइक', 'डिसलाइक' या किसी अन्य प्रतीक के रूप में इमोजी भेज दिया जाता है। इनमें सबसे अधिक प्रयोग होने वाला चिन्ह है- दिल। यह प्रतीक जो मूलतः प्रेम, आत्मीयता या गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन अब रिएक्शन का सबसे सरल प्रतीक बन गया है। चाहे विषय गंभीर हो, आध्यात्मिक हो, संघर्षपूर्ण जीवन अनुभव हो या सामाजिक समस्या-सब पर एक समान प्रतिक्रिया के रूप में यह चिन्ह लगा दिया जाता है।

प्रतीकों का भी होता है संदर्भ: वास्तव में, 'दिल' तब उपयुक्त प्रतीक होता है, जब विषय आत्मीय हो- जैसे मित्रता, स्नेह, समर्थन या व्यक्तिगत अनुभवों में सहानुभूति। लेकिन जब विषय दार्शनिक, वैचारिक या तर्कसंगत हो या जब वह शोक, पीड़ा या सामाजिक असमानता से जुड़ा हो, तब ऐसे प्रतीकों से प्रतिक्रिया देना विषय की गंभीरता को हल्का बना देता है। यह न केवल लेखक के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि भेजने वाले की समझ पर भी प्रश्न उठाता है।

हर जगह इमोजी भेजना उचित नहीं: इमोजी भेजने की प्रवृत्ति सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रही, अब लोग आधिकारिक ईमेल, विभागीय संदेश या वरिष्ठों को भेजे जाने वाले संवादों में भी इमोजी का प्रयोग करने लगे हैं। यह न केवल संवाद की गंभीरता को कम करता है, बल्कि कई बार यह आपकी अनुशासनहीनता या असंवेदनशीलता का संकेत भी माना जा सकता है। इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए। इमोजी का प्रयोग मित्रता, निजी वार्तालाप में उपयुक्त है, लेकिन इसकी सीमाएं स्पष्ट होनी चाहिए। डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ विवेक भी आवश्यक है।

डिजिटल एटिकेट का रखें ध्यान: किसी भी इमोजी को सेलेक्ट करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें।

- सोच-समझकर इमोजी का चयन करें।
- कार्यालय या वरिष्ठों के साथ संवाद में औपचारिक भाषा अपनाएं।
- गंभीर विषयों पर केवल इमोजी के बजाय मौलिक प्रतिक्रिया दें।
- यदि इमोजी भेजना हो तो विषय के अनुकूल ही सेलेक्ट करें। प्रतीकों का प्रयोग प्रासंगिकता के साथ होना चाहिए, न कि केवल आदत या सुविधा के कारण। *

कुछ कॉमन इमोजी

- ❤️ स्नेह, मित्रता, सहानुभूति, प्रेरणा।
- 😂 हंसी मजाक, मीम, हल्के-फुल्के निजी संवाद।
- 😢 संवेदना, शोक व्यक्त करने के लिए।
- 🙏 धन्यवाद, सम्मान, श्रद्धांजलि, प्रार्थना।
- 🔥 प्रेरक कार्य, जोश, उपलब्धि की सराहना।
- 👏 किसी की उपलब्धि, प्रेरक विचार का समर्थन।
- 😍 रोमांटिक या सौंदर्य-प्रशंसा से जुड़े।
- 🤔 तर्क, प्रश्न, विचार-उत्तेजक विषय।

सिने-जगत / अशोक जोशी

हम जो पर्दे पर देखते हैं, वो सितारों की रील लाइफ होती है। जो जिंदगी वह वास्तव में जीते हैं, वह उनकी रियल लाइफ होती है। पर्दे पर हमें जीवंत, सुखी, स्वस्थ और ढाई घंटे में बरसों लंबी जिंदगी के दर्शन करा देने वाले कुछ सितारे ऐसे भी हैं, जिनकी जिंदगी किसी शॉर्ट फिल्म जितनी ही छोटी रही।

कम उम्र में गुजरे बीते दौर के सितारे: पिछली सदी में पचास का दशक हिंदी फिल्मों का आरंभिक दौर था। उस दौर में अभिनेता श्याम एक जाने माने सितारे थे, जिनकी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिरने से मौत हो गई थी। जिस समय यह हादसा हुआ, उनकी उम्र केवल 31 बरस ही थी। के.एल. सहगल हिंदी फिल्म के मशहूर गायक और अभिनेता थे। लेकिन शराब की लत के कारण उन्हें लीवर सिरोसिस हो गया था। मात्र साढ़े बयालिस साल की उम्र में सहगल इस दुनिया से विदा हो गए।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को 'प्यासा', 'कागज के फूल', 'साहेब बीवी और गुलाम' जैसी क्लासिक फिल्में देने वाले गुरुदत्त महज 39 वर्ष की उम्र में दुनिया छोड़ गए थे। गुरुदत्त को इन्सोम्निया (स्लीप डिसऑर्डर) की बीमारी थी। कहा जाता है कि शराब के अत्यधिक सेवन और नींद की गोली के ओवरडोज के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

हाल में गुजर गए युवा सितारे: बीते कुछ दशकों की बात करें तो फिल्म और टेलीविजन के कई प्रसिद्ध कलाकार बेहद कम उम्र में ही जिंदगी की जंग हार गए। सुशांत सिंह राजपूत ने सिर्फ 34 साल की उम्र में कथित आत्महत्या कर ली। हालांकि सुशांत की मौत की वजहों को लेकर आज भी कई तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। बिग बॉस 13 के विनर और टीवी के मशहूर अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की हार्ट अटैक के कारण हुई अचानक मृत्यु ने सभी को स्तब्ध कर दिया था। सिद्धार्थ सिर्फ 40 साल की उम्र में इस दुनिया से रुखसत हो गए। अभिनेता इंदर कुमार महज 44 साल की उम्र में दुनिया छोड़ कर चले गए। उनके निधन की भी वजह हार्ट अटैक को ही माना गया था। हालांकि अपने निधन से कुछ साल पहले इंदर कुमार एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हेलिकॉप्टर से जमीन पर गिर गए थे और तभी से उनको कई परेशानियां शुरू हो गई थीं।

कई अभिनेत्रियां भी गुजर गईं कम उम्र में: हिंदी सिनेमा की वीनस कही जाने वाली मोहक व्यक्तित्व की मलिका मधुबाला की मुस्कान आज भी दर्शकों के मस्तिष्क पर छाई हुई है। फिल्मी करियर के साथ ही उनका जीवन भी छोटा ही रहा। उन्होंने 36 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनकी मृत्यु का कारण दिल की बीमारी बताया जाता है। इसी तरह ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी की रियल लाइफ भी किसी ट्रेजडी से कम नहीं थी। पारिवारिक विवाद और दुःख से परेशान मीना कुमारी ने शराब से नाता जोड़ लिया था। अपने गम में डूबी मीना कुमारी 38 वर्ष की उम्र में इस दुनिया से कूच कर गईं। अपने जमाने की सफलतम नायिकाओं में से एक गीताबाली भी चेचक की बीमारी के कारण मात्र 34 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गईं। प्रतिभाशाली अभिनेत्री स्मिता पाटिल जब सिनेमा में आईं तो लगा था कि मीना कुमारी की खाली जगह भर जाएगी। अपने छोटे से फिल्मी जीवन में स्मिता पाटिल ने न केवल समानांतर फिल्मों में अपनी जगह बनाई बल्कि अमिताभ बच्चन के साथ 'नमक हलाल' जैसी सुपरहिट कॉमर्शियल फिल्म की सफलता में बराबर का योगदान दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश डिलीवरी के दौरान पीलिया से पीड़ित होकर वह मात्र 29 साल की उम्र में स्वर्ग सिधार गईं। बाद के दौर की बात करें तो उभरती नायिका दिव्या भारती को भी बेहद कम उम्र में मौत ने अपनी आगोश में ले लिया था। सफलता के सिंहासन पर बैठी यह नायिका मात्र 19 साल की उम्र में एक हादसे का शिकार हो चल बसीं।

स्मिता पाटिल

प्रत्युषा बनर्जी

हाल में दिवंगत हुईं एक्ट्रेसेस: बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस जिया खान भी 25 की उम्र में दुनिया को छोड़ गईं। जिया ने खुदकुशी कर ली थी। धारावाहिक 'बालिका वधु' से अपनी पहचान बनाने वालीं प्रत्युषा बनर्जी ने भी जिंदगी से हार मान कर मौत को गले लगा लिया। प्रत्युषा ने महज 24 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली थी। ऐसे ही कई सफल एवं उभरती हुई अभिनेत्रियों की मृत्यु बेहद कम उम्र में हुई। अगर एकदम हाल की घटना का जिक्र करें, तो 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर मॉडल-एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला हाल ही में 42 वर्ष की उम्र में अचानक दुनिया को अलविदा कह गईं। *

हाल में ही एक्ट्रेस-मॉडल शेफाली जरीवाला की अचानक हुई डेथ ने सबको चौंका दिया। लेकिन शेफाली से पहले भी हिंदी सिनेमा और छोटे पर्दे के कई एक्टर-एक्ट्रेसेस बहुत कम उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह गए हैं। ऐसे ही कुछ कलाकारों पर एक नजर, जो युवावस्था में ही इस जहान से रुखसत हो गए।

सितारे जिन्होंने कम उम्र में ही
दुनिया को कह दिया अलविदा

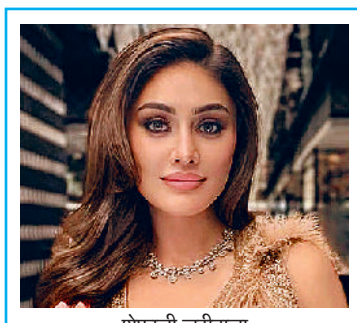

शेफाली जरीवाला

सुशांत सिंह राजपूत

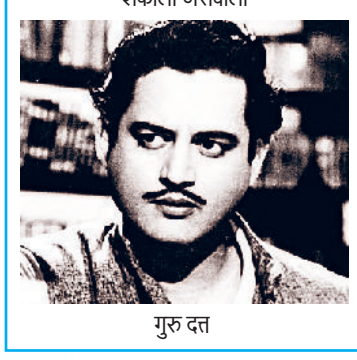

गुरु दत्त

मीना कुमारी